



भारत का राजस्मान

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 14, 1979 (आषाढ़ 23, 1901)

No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 14, 1979 (ASADHA 23, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate pagings are given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च म्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल दिभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 12 जून 1979

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एन्डडारा म्यायी अधीक्षक (हाल०) श्री एम० एल० धवन को उप नियंत्रक (तथ्य संभाधन) के पद पर तारीख 5-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अवधारा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम, उप-चिव्व

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 31 मई, 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एन्डडारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में नियंत्रित अधीक्षक (हाल०) को, आयोग के कार्यालय में 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के निम् अवधारा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थान अधिकारी के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

(5315)

नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जे० एल० कपूर
2. फुसारी सन्तोष हांडा

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा० II—चिव्व, संघ लोक सेवा आयोग एन्डडारा म्यायी म्यायती एवं स्थानापन्न स्थानापन्न पर्यवेक्षक श्री एम० एल० चौपड़ा को, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अवधारा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, स्थान अधिकारी के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून, 1979

सं० ए० 32016/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एन्डडारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में भ्याई अनु० सहा० (अनु० आ० सां०) आंर स्थानापन्न अनुसन्धान अन्वेषक श्री शम गिह को 2-6-1979

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
(2) श्री रमेश मिह, स्थानापन्न सहायक 31 जनवरी, 1978 प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन) (अपराह्न) मैन			(18) श्री बी० बी० घमण्डे, स्थानापन्न 31 दिसम्बर, 1978 महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई स्टोर होल्डर)		
(3) श्री के० रामानाथ, स्थानापन्न 31 मई, 1978 महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई फोर्मैन)			(19) श्री पी० सी० गिगना, रथाना- 31 दिसम्बर, 1978 पन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० (अपराह्न) ग्रेड-1 (मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II)		
(4) श्री के० के० भट्टाचार्जी, स्थाना- 30 जून, 1978 पन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई फोर्मैन)			(20) श्री जी० एन० बनर्जी, स्थानापन्न ---वही--- प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उप-प्रबन्धक)		
(5) श्री ए० मुखर्जी, स्थाई प्रबन्धक 31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)			(21) श्री बी० पी० भट्टाचार्जी, ---वही--- स्थानापन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)		
(6) श्री जे० ए० सिन्धू, स्थाना- 31 जुलाई, 1978 पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)			(22) श्री आर० मी० दत्ता, स्थाना- ---वही--- पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)		
(7) श्री ए० बी० सरकार, स्थाना- 31 जुलाई, 1978 पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक (अपराह्न) एवं स्थाई फोर्मैन)			(23) श्री जी० सी० बनर्जी, स्थानापन्न ---वही--- महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)		
(8) श्री ए० मुखर्जी, स्थाना- 30 सितम्बर, 1978 पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक (अपराह्न) एवं स्थाई फोर्मैन)			(24) श्री डी० एन० दत्ता, स्थानापन्न ---वही--- उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई सहायक प्रबन्धक)		
(9) श्री ए० पी० भट्टाचार्जी, स्थाना- 30 सितम्बर, 1978 पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई स्टाफ असिस्टेंट)			(25) श्री टी० ए० कोहली, स्थाना- ---वही--- पन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई महायक प्रबन्धक)		
(10) श्री के० पी० गुहाराय, स्थाना- ---वही--- पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)			(26) श्री पी० के० घोष, स्थानापन्न ---वही--- महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)		
(11) श्री ए० आर० चक्रवर्ती, स्थाना- ---वही--- पन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उपप्रबन्धक)			(27) श्री जे० नक्कर्णी, स्थानापन्न 31 जनवरी, 1979 महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन) (अपराह्न)		
(12) श्री सी० ए० वाज, स्थानापन्न 31 अक्टूबर, 1978 उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई फोर्मैन)			(28) श्री के० सी० पाल, स्थाई प्रबन्धक ---वही---		
(13) श्री ए० ए० शर्मा, स्थानापन्न ---वही--- उपप्रबन्धक, (मौलिक एवं स्थाई उपप्रबन्धक)			(29) श्री जी० ए० सैनी, स्थानापन्न 28 फरवरी, 1979 महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं (अपराह्न) स्थाई फोर्मैन)		
(14) श्री बी० के० पिलाय, स्थाना- ---वही--- पन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई सहायक प्रबन्धक)			(30) श्री ए० के० कार, स्थानापन्न ---वही--- सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)		
(15) श्री टी० ए० सुन्दरेशन, स्थाना- 30 नवम्बर, 1978 पन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक (अपराह्न) एवं स्थाई स्टाफ अफसर)					
(16) श्री के० आर० जी० नायर, स्थाना- ---वही--- पन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)					
(17) श्री टी० ए० मेलो, स्थानापन्न ---वही--- महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन)					

दिनांक 12 जून 1979

सं० 35/बी०-79—श्री आर० मी० दत्ता, स्थानापन्न
महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोर्मैन) दिनांक
31-10-1978 (अपराह्न) मे॒ स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त
हुए।

सं० 36/जी०/79—श्री ए० ए० गुप्त, स्थानापन्न
उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई महायक प्रबन्धक) दिनांक

21-1-77 से एक वर्ष की पुनः नियुक्ति के बाद दिनांक 31-1-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 37/जी०/790—श्री के० ई० मल्होत्रा, स्थाई उप महाप्रबन्धक दिनांक 1-9-78 से 6 मास की पुनः नियुक्ति के बाद दिनांक 28-2-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 15 जून 1979

सं० 30/जी०/79—राष्ट्रपति आईनेस फैक्टरियों के उप निदेशक ओ० ई० एफ० समूह श्री एम० एम० बासू का सेवाकाल 21-3-79 से 6 माह के लिये बढ़ाने की मंजूरी देते हैं।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक,
आईनेस फैक्टरियों

श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक जुलाई 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—मई, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अधिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आषार वर्ष 1960=100) अप्रैल, 1979 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 339 (तीन सौ उनतालीस) रहा है। मई, 1979 माह का सूचकांक आषार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 412 (चार सौ बारह) आता है।

निमुक्ति सिंह,
उप निदेशक
श्रम व्यूरो

वाणिज्य, नागरिक आयुष्मान एवं महकारिना मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1979

(आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण)

(स्थापना)

सं० 6/396/56-प्रशासन/राज—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री बी० पी० सबनिम, नियंत्रक आयात नियंत्रित ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में 31 मार्च, 1979 के दोपहर बाद से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजिन्दर सिंह

उप मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित
कार्यालय

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-69, दिनांक 14 जून 1979

सं० जूट (ए)/147/65—पटसन आयुक्त एतदद्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (नियंत्रित) ग्रुप 'बी'

को श्री बी० एन० भिन्हा के अवकाश चले जाने के फलस्वरूप इस कार्यालय में दिनांक 14-5-1979 (पूर्वाह्न) से तदर्थ स्थानापन्न हैमियत में सहायक निदेशक (आधिक) ग्रुप "ए" (राजपत्रित) के तौर पर रु 700-40-900-द० रु०-40 1000-50-1300 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

टी० एस० चक्रवर्ती,
कार्यकारी अधिकारी

विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1979

सं० 12(667)/70-प्रशासन (राजपत्रित)—दिल्ली विकास प्राधिकरण में अर्थशास्त्री के रूप में नियुक्त होने पर श्री पी० बी० थोमस ने दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (आधिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 23 मई 1979

सं० 12(34)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर के श्री जे० एन० शिवदासानी निदेशक ग्रेड II (यांत्रिक) को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर में निदेशक ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मई 1979

सं० 12(444)/64-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री बी० एस० चड्ढा, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 28 अप्रैल, 1979 से 31 जुलाई 79 तक की अवधि के लिये विकास आयुक्त (लघु उद्योग), के कार्यालय में उप निदेशक (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/227/75-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन, तन्जानिया में विशेषज्ञ के रूप में द्वीप वर्ष के लिये, प्रतिनियुक्ति हो जाने पर, श्री एम० डी० पदनेकर ने दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा (संस्थान), बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आधिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 मई 1979

सं० 12(314)/62-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के श्री जा० बी० जबेटिया, निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर में निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 मई 1979

सं० 12(358)/62-प्रशासन (राजपत्रित) —योजना आयोग में वरिष्ठ अनुमन्धान अधिकारी के रूप में तैनाती होने पर भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी, श्री भगवत दयाल ने दिनांक 9 मई, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा मंस्थान, अहमदाबाद में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018/420/79-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपतिजी, भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी तथा अधिकारी भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, नई दिल्ली में उप निदेशक (योजना एवं अन्वेषण) श्री एम० एल० भारद्वाज, को दिनांक 3 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिये विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एच० एल० जुनेजा,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जून 1979

सं० ए० 19018(230)/75-प्रशासन (राजपत्रित) — लघु उद्योग सेवा मंस्थान नई दिल्ली के स्थाई अधीक्षक श्री ज० आर० मल्होत्रा को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 10 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त,
उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जून 1979

सं० 14/4/79-एम० (टी) — म० क० बी० सौन्दर राजन निदेशक (स्मारक) प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं पुरावशेष नियमावली, 1959 के नियम 7 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूं कि स्थाट शाहजहां के वार्षिक 'उर्स' समारोह के उपलक्ष्य में निम्नलिखित तिथियों में, आगरा के ताजमहल में प्रवेश पाने के लिये कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा:—

- (1) 23-6-79 को 2.00 बजे अपराह्न से अर्धसात्रितक
- (2) 24-6-79 को पूरा दिन अर्थात् 7.00 प्रातः से 5.00 बजे सायं तक

क० बी० सौन्दर राजन
निदेशक (स्मारक)
कृते महानिदेशक

विस्तार निदेशालय

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1979

सं० 3(48)/79-स्था० (1) — अधीक्षक (कोटि प्रधम) के पद पर सर्वश्री एस० एस० धीर, क० आर० विज एवं ए० पी० भसीन की तदर्थे नियुक्ति 28-2-1979 से आगे 31-7-1979 तक बनी रहेगी।

बद्रीनाथ चड्ढा,
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 2 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी० 3(262) 78-प्रशा०/8944— विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के स्थाई-उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री क० ए० ओ० ओमसक को 30 अप्रैल 1979 के पूर्वाह्न से 2 जून 1979 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थाई रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री टी० एस० ओमसक के सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गये हैं।

दिनांक 6 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी०/३(283)/76-प्रशासन/9140— भारत परमाणु अनुमन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री पी० बासु की महायक लेखा अधिकारी के पद पर 5 मई, 1979 के अपराह्न तक स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति के बारे में इस प्रभाग की तारीख 27 अप्रैल, 1979 की सम संख्यक अधिसूचना की ओर ध्यान दिलाया जाता है। श्री बासु को 25 मई, 1979 के अपराह्न तक महायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से कार्य करने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 12 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी०/३(262)/76-प्रशासन/9337— इस प्रभाग की तारीख 17 अप्रैल, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना जिसके अन्तर्गत इस प्रभाग के प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री ए० एच० पुनवानी को 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 19 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थाई रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया था, के क्रम में 25 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिये उसी पद पर अस्थाई रूप से कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

बी० बी० थाते,
प्रशासनिक अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 मई 1979

सं० डी० पी० एम०/23/1/79/संस्थापन/12586—
इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9 अप्रैल 1979 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० रवीन्द्रन सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-060 के वेतनमात्र में इसी निदेशालय में 1 अप्रैल 1979 से 30 अप्रैल 1979 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जून 1979

सं० डी० पी० एम०/23/1/79 संस्थापन/16540—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5 मई, 1979 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० रवीन्द्रन सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में, अग्रिम समय 6 जून 1979 तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 18 जून 1979

सं० भाषापाठ्याळ०/श्री०-48/3054—भारी पानी परियोजना के, विशेष, कार्य अधिकारी, श्री श्रीकृष्ण श्रीदिवि खनोलकर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिंगिक नवा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरण श्रेणी लिपिक को उसी कार्यालय में 9 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से 8 जून, 1979 (अपग्रह) तक के निये, श्रीमती के० पी० कल्याणी कुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी जो भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायण,
विशेष प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपकम, दिनांक 2 जून 1979

सं० ए० 32023/1/77-प्रार०—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक केन्द्र के निम्नलिखित कर्मचारियों को 21 मई, 1979 के पूर्वाह्न से 20 जून, 1979 के अपग्रह

तक के लिये उनमें से प्रत्येक के नाम के प्रागे दिये गये पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार नियुक्त करते हैं:

क्रम संख्या नाम और पदनाम मौलिक पद पदोन्नत पद

1. श्री आर० राजमणि भाभा परमाणु अनु-लेखा अधिकारी-सहायक लेखा अधि-संधान केन्द्र में कारी उच्च श्रेणी लिपिक
2. श्री के० नारायणमूर्ति, रिएक्टर अनुसंधान भवायक लेखा महायक लेखापाल केन्द्र में सहायक अधिकारी लेखापाल

पी० वी० सोमनाथन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन वथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1979

सं० स्थापना (1) 03800—भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रावेशिक मौसम केन्द्र मदाम के निदेशक कार्यालय के श्री वी० एम० धनकुमारण महायक मौसम विज्ञानी निवृत्तन की आयु पर पहुँचने पर 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० स्थापना (1) 03851—भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक के मुख्यालय के श्री वी० वी० मैन मौसम विज्ञानी श्रेणी-II निवृत्तन की आयु पर पहुँचने पर 31 मई, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (1) 03871—भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक के मुख्यालय के श्री अमीन सिंह, महायक मौसम विज्ञानी निवृत्तन की आयु पर पहुँचने पर 31 मई, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

गुरुमुखराम गुप्ता,
निदेशक
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० मी०—गण्डपति ने श्री ए॒० ए० शेटी, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर को दिनांक 21-5-1979 (पूर्वाह्न) से ४ माह के लिए तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के प्रेष में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 22 जून 1979

सं. प्र० 38012/1/79-ई० सी०--निवृत्त आवृ प्राप्त कर लेंगे पर मरमारी भेजा ये निवृत्त होने पर निम्नलिखित दो गढ़ागह तहनीकी अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख और अधिकृत स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था :—

क्रम सं.	नाम	तैनाती स्टेशन	मास निवृत्ति की तिथि
1.	श्री एन० एस० मैन	वैमानिक संचार स्टेशन पोर्ट ब्लेयर	30-9-1978 (प्रारम्भ)
2.	श्री मी० पी० आर्टे	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-5-1979 (प्रारम्भ)

सं. प्र० 38013/7/78-ई० सी०--इस विभाग की दिनांक 29-12-1978, 16-1-1979 और 14-2-1979 की अधिसूचना सं. प्र० 32013/7/78-ई० सी० के अस में रुद्रगति ने निम्नलिखित चार तहनीकी अधिकारियों की उनके नाम के सामने दी गई तारीखों के बाद दिनांक 31-8-1979 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बोर्ड तहनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की संस्कृति दे दी है :—

क्रम सं.	नाम	तैनाती स्टेशन	बढ़ाई गई ¹ अवधि
1.	श्री पी० एस० महिना	झेलीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता	20-5-1979 के आगे
2.	श्री विजय पंचार	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	20-5-1979 के आगे
3.	श्री के० के० नारायण	संचार नियंत्रक, कलकत्ता	1-6-1979 के आगे
4.	श्री ए० के० वंशन	निदेशन, ऐडिष्न नियांग प्र० विभाग एफ०क, नई दिल्ली	5-7-1979 के आगे

मत्येव शर्मा,
उत्तरनिदेशक प्रणाली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1979

सं. प्र० 12026/1/79-ई० प्र०--गाढ़ाजी ने भारतीय वायुसेना के फ्लाइट नेफिटेंट श्री प्र० एस० भारद्वाज को स्थानांतरण पर दिनांक 4-6-1979 (पूर्वाह्न) से अन्तर अदिग होने तक नगर विभाग विभाग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर राष्ट्रपालट के स्पष्ट में नियुक्त किया है।

सं. प्र० 40012/1/79-ई० एस०--श्री एन० सी० अग्रवाली, महाराष्ट्र विभाग निरीक्षक, नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण हैदराबाद का कार्यालय, मूलतिथि 56-(जे०) के अंतर्गत दिनांक 6 जून, 1979 (प्रारम्भ) को मरमारी भेजा से निवृत्त हो गये हैं।

मुख्यी न्याय खंडपुर,
महाराष्ट्र निदेशक प्रणाली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं. प्र० 32014/1/79-ई० ए०--पहानिकेंग क नगर विभाग ने निम्नलिखित विभाग क्षेत्र महायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से प्र० क्वर्ड की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप में भरे जाने वह जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर महायक विभाग क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें नगर विभाग प्रशिक्षण के केन्द्र, बरोली (इलाहाबाद) में तैनात किया है :—

क्रम सं.	नाम	दिनांक
1.	श्री एम० सी० रावत	17-5-1979
2.	श्री प्र० सी० एडब्ल्यूरे	14-5-1979
3.	श्री ए० मी० जसपाल	21-5-1979
4.	श्री डी० के० जैन	14-5-1979
5.	श्री आर० सम्पत	25-5-1979
6.	श्री गुरमुख सिंह II	14-5-1979
7.	श्री बी० आर० समतानी	21-5-1979
8.	श्री श्यामलसेन गुप्ता	14-5-1979
9.	श्री बी० बी० दास	14-5-1979

वि० वि० जौहरी,
महायक निदेशक प्रणाली

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 21 जून 1979

सं. 1/460/79-स्था०--श्री पी० मुखर्जी को, जिन्हें 3 अप्रैल, 1978 से तदर्थ आधार पर कलकत्ता शाखा में स्थानांतरण रूप से महायक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया था, 30 अप्रैल, 1979 के अवराह्न से कलकत्ता शाखा में तहनीकी महायक के उनके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

सं. 1/477/79-स्था०--वि० प्र० श्री पुरुष के मस्तायी महायक अधिकारी श्री अरुण जोन मनहीवा को 9 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अन्ती नियुक्त छोड़न की अनुमति दी गयी।

पा० फि० गविन्द नायर
निदेशक (प्रणाली)
हने महानिदेशक

निर्माण श्रीर आवास मंदिरालय
नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1979

सं० 33/9/76-ई० सी० १० आई० एक्स०—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीय कार्यालय) महायक (वास्तु विभाग) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इन नियमों के उपरान्त अनुसूची के स्तरमध्ये 1 में विनिर्दिष्ट पत्रों को लागू होंगे।

3. पव-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तरमध्ये 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं, आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पदनाम, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बंधित अन्य बातें ये होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तरमध्ये 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहंताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति में विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पाव नहीं होता :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के अधीन अनुज्ञय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ, वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत अदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुमार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

एस० रंगानाथन,
अवर सचिव

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वेतन पद अथवा अवधारणा पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
1. महायक (वास्तु विभाग) चयन श्रेणी	17	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अनिपिक वर्गीय	550-20-650- 25-750 रुपये	चयन लागू नहीं होता	
2. महायक (वास्तु विभाग) श्रेणी-I	76	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अनिपिक वर्गीय	425-15-500- द०रो०-15-560- 20-700 रुपये	अचयन लागू नहीं होता	
3. महायक (वास्तु विभाग) श्रेणी-II	81	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अनिपिक वर्गीय	330-10-380- द०रो०-12- 500-द०रो०-15- 560 रुपये	लागू नहीं होता	18 और 28 वर्ष के बीच सरकारी सेवकों के मामले में उच्चतर आयु शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है। (प्रत्येक मामले में आयु सीमा अवधारणा करने के लिए नियमिक तारीख भारत में रहने वाले अध्ययितों से (उनसे भिन्न जो

1	2	3	4	5	6
भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और जैक्षिक अर्हताएं प्रोत्साहित की दशा में लागू होगी या नहीं			परिवेशाधीन की अवधि यदि कोई हो	अन्दमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अनियम तारीख होगी।
7	8	9			
1. लागू नहीं होता 2. लागू नहीं होता 3. वास्तुकला में इंटरमीडिएट (मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रम)	लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता		दो वर्ष दो वर्ष दो वर्ष		
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्साहित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोत्साहित/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्साहित/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोत्साहित समिति है तो उसकी संरचना		भर्ती करने में किन परि- स्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
10	11	12	13		
1. प्रोत्साहित द्वारा 2. प्रोत्साहित द्वारा	ऐसा सहायक (वास्तु विभाग) श्रेणी I, जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा कर ली है और ऐसा सहायक श्रेणी II, जिसमें उस श्रेणी में आठ वर्ष नियमित सेवा कर ली है। ऐसा सहायक श्रेणी-II (वास्तु विभाग) (साधारण (श्रेणी) (330-560 रुपए), जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा कर ली है)	1. मुख्य वास्तुविद—प्रधक्ष 2. निदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. निर्माण और आवास मन्त्रालय का अवर सचिव या समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी— सदस्य	1. मुख्य वास्तुविद—प्रधक्ष 2. निदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. निर्माण और आवास मन्त्रालय का अवर सचिव या समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी— सदस्य	लागू नहीं होता	
3. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	1. ज्येष्ठ वास्तुविद—प्रधक्ष 2. उपनिदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. वास्तुविद—सदस्य	1. ज्येष्ठ वास्तुविद—प्रधक्ष 2. उपनिदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. वास्तुविद—सदस्य	लागू नहीं होता	

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस्कोर्ट्स फार्म हॉटचरीज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 5989—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एस्कोर्ट्स फार्म हॉटचरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधायित कर दी जाएगी।

जी० सी० गुप्ता
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कपूरथला प्रापर्टी चिट
फन्ड एण्ड फाईनैशियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
जालन्धर, दिनांक 26 जून, 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3001/2423—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कपूरथला प्रापर्टी चिट फन्ड एण्ड फाईनैशियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधायित कर दी जाएगी।

मत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन
सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और
टाईटमन्ड एण्ड कम्पनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के
मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 3709—सिविल पंजी सं०.....से
.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 26-7-78 के आदेश द्वारा टाईटमन्ड एण्ड कम्पनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और
जोशी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

सं० 8821—सिविल पंजी सं०.....से
.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 2-10-78 के आदेश द्वारा जोशी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और
एलडी वायर रोप्स लिमिटेड के मामले में

दिनांक 19 जून 1979

सं० 12553—सिविल पंजी० सं०.....से.....में
स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 12-7-78 के आदेश द्वारा
एलडी वायर रोप्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया
गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और
एम० जे० फाईनैशियर्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 13254—सिविल पंजी० सं०.....से.....में स्थित
उच्च न्यायालय के तारीख 5-10-78 के आदेश द्वारा एम० जे०
फाईनैशियर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश
दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और
अम्बिका ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 14026—सिविल पंजी० सं०.....से.....में स्थित
उच्च न्यायालय के तारीख 27-9-78 के आदेश द्वारा अम्बिका
ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश
दिया गया है।

ह० अपठीय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स डिस्प्ले एंड डॉकोरेशंस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 12266/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि मैसर्स डिस्प्ले डॉकोरेशंस प्राइवेट लिमिटेड का
नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधायित
हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स जमपाल फायनार्स
एंड चीट सेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 15098/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि मैसर्स जमपाल फायनार्स एंड चीट सेक्स प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त
कम्पनी विधायित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 29 मई 1979

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री श्री० चक्रवर्ती, जो आयकर अपील अधिकरण के सचिव के वैयक्तिक सहायक हैं, को आयकर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में सहायक पंजीकार के पद पर अस्थायी क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 10-5-1979 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक अस्थायी क्षमता में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 21-5-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री श्री० एस० शर्मा, (संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक पंजीकार के पद पर नामित) की नियुक्ति हो जाने से श्री आर० के० घोष, जो आयकर अपील अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में तवर्ध आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर विनांक 16-8-1978 से स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, को आयकर अपील अधिकरण में उसके मूल पद पर सहायक अधीक्षक के रूप में दिनांक 10-5-1979 (पूर्वाह्न) से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष
आयकर अपील अधिकरण

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफ़उल्लाह मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, ब्लाक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
10-78/753—अतः, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इक्षुके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सन्मान प्राधिकारी जो, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 1 ब्लाक नं० 205-सी है, तथा जो
बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्ष स्तरक (स्तरक) और प्रत्यक्षिती
(प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे ५०% रेण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहिया नहीं किया गया है :—

(क) प्रमाणरण से हुई किसी प्राप्त की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त का किसी भूत या प्रन्त्र प्राप्तियों को,
विन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत्यक्ष उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्यक्षरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाण :—

1. श्री लाल चन्द्र ग्राहलूबालिया, सुपुत्र श्री मेहर चन्द्र
ग्राहलूबालिया निवासी 50-बी, स्वामी नगर, नई
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री राजीव सहाय, सुपुत्र श्री ईश्वर सहाय निवासी
मकान नं० 1, बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीराओं व्यक्तियों पर
सूचना की साम्रोह से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी प्रन्त्र व्यक्ति द्वारा, प्रष्ठोहस्ताक्षणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

प्रमुख

एक मंजिला मकान जोकि 212.5 वर्ग गज भेत्रफल
के प्लाट पर बना हुआ है, इसका नं० 1, ब्लाक नं० 205-
सी है, बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली में है ।

अंजनी ओजा

सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्राकृत प्राई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ(1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

414क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१/एस० भार०-III/
10-78/687/—अतः, मुझे अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एल-13 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा या या कारण अन्तरिक्षित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रखिया रही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उसमें वर्षन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपेक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल धवन, सुपुत्र श्री नन्द लाल धवन निवासी द्वारा श्री ओ० पी० खन्ना, निवासी ए०-73, पंडारा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० चितरंजन मलिक, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अशुतोष मलिक, निवासी आई-1648, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-1

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिक्षीय के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचायित हैं वही अर्थ होता, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्लाट जिसका नं० एल-13 है और क्षेत्रफल 469 वर्ग गज है, कालकाजी की निवासी कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	लेन
पश्चिम :	रोड़
उत्तर :	ज्लाट नं० एल-14
दक्षिण :	ज्लाट नं० एल-12

अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/
10-78/727—अतः, मुझे, अंजनी ओजा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है,

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तह प्रतिक्रिया से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। शीर्या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसार में; उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवाल्त :—

1. श्री उज्जाल सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह, निवासी डब्ल्यू०-96, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. मै० शाकुन्तलम प्रार्थीज प्रा० लि० तथा मै० प्रेमाशरम प्रार्थी प्रा० लि०, इनके डायरेक्टर श्री ओ० पी० गर्ग के द्वारा निवासी सी-46, एन० डी० एम० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरथ:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० डब्ल्यू०-97 है और अन्तरक 333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफाबली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० प्राइंटी प्र० ३० मी०/एक्य०/१/एस० आर०III/-
10-78/725—अतः मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० डब्ल्यू-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्षित से
अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (अन्तरिक्षित)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आदि की वास्तव उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायिक्ति
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन या धन आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना आविष्कार था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपकारा (1).
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी घर्षित:—

1. श्री मनजीत सिंह खुराना, सुपुत्र श्री करतार सिंह,
निवासी डब्ल्यू-96, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली
(अन्तरिक्षित)

2. मैं प्राप्ति अधिनियम प्रा० प्र० ३०, तभी मैं प्रेमशरम
प्राप्तीम प्रा० प्र०, इनके डायरेक्टर श्री ओ०
पी० गर्ग के द्वारा, निवासी सी-46, एन० डी० एस० ई०
पार्ट-II, नई दिल्ली (अन्तरिक्षित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फीहोन्ड प्लाट नं० डब्ल्यू-97 का 1/3 हिस्सा इसका
क्षेत्रफल 333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली
में है।

अंजनी ओजा,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1, 4/14क, आसफाबली मार्ग डईडिली-1
 नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पृष्ठ०/1/एस० आर०-III/
 10-78/726/थतः, मुझे, अंजनी ओजा
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
 से अधिक है

और जिसकी स० डब्ल्यू-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
 दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
 दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निष्ठलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अ-आग से दुई छिपो आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में रम्पो करने या उससे बचने म सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम,
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 अधीन निष्ठलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह खूराना, सुयुद्ध श्री करतार सिंह
 खूराना, निवासी डब्ल्यू-96, ग्रेटर कैलाश-1 नई
 दिल्ली-1
 (अन्तरक)

2. मैं ग्राकुस्तलम प्राप्टीस (प्रा०) नि०, इनके डायरेक्टर
 के द्वारा (2) मैं प्रेमशाम प्राप्टीस प्रा० लि०,
 इनके डायरेक्टर औ० पी० गर्ग के द्वारा, निवासी
 सी-46, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली
 (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
 किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डब्ल्यू-97 का 1/3 हिस्मा जिसका क्षेत्रफल
 333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।
 अंजनी ओजा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

तारीख: 26-6-1979

मोहर:

प्रकृष्ट योग्य ३० दी० १८० अस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनन रेज-1, दिल्ली-1,

4/14क, अस्थानी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, डिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आद० प० मी० /एक्य० १/एम० आर०-III/
10-78/708—अन्: मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वाँ वारा 269वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है।

और जिसकी सं० डी-17 है, तथा जो कालिन्दी कालोनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरोपण में हूर्दा किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे जब्तने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन्त या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकृ नहीं किया
गया था या किया जाना याहुए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269वाँ के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269वाँ की उपाधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अधित :—

3—146GI/79

1. श्री मन मोहन कर, सुपुत्र लाला किशोरी लाल
कर, मैं० गग्न गग्न दाम एण्ट ब्रदर्स के निए,
निवासी ५-बी, आनमा गम हाउस, १-टालस्टार मार्ग,
नई दिल्ली-१

(अन्तरक)

2. श्री तीर्थ राम, पुत्रगण श्री पिण्डीरी लाल, निवासी ६६,
फरैन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाए करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करें।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर यूनियन
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक भव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टोट जिसका नं० डी-१७ है और क्षेत्रफल ८०० वर्ग गग्न
है, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज-1, दिल्ली-1

4/1-क, असफलनी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 जून 1979

तिर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस० आर०-II/
10-78/723—या०, मुझे, अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन संघर अधिनारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि नि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो आनन्द लोक, नई दिल्ली
में स्थित है (ओर इसके उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीर्फर्म अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उन्नति प्रतिशत प्रतिक है प्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
आर प्रन्तरिती (प्रन्तरिती) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तर पाश या प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
किया वा प्राप्ति की नहीं किया गया है।

(क) प्रन्तरण पर ही इसी प्राप्ति की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन फर देने के अन्तरक के
शायद भैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य सामितियों
वा, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रति-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
मुश्विता के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अवान् निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतु :—

1. श्री महेश्वर दयाल पुत्र श्री दीन दयाल, निवासी 20
आनन्द लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार गोनका पुत्र श्री एस० एन० गोनका,
निवासी 20 आनन्द लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आंखेप—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा याएँगे।

साझेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभ्राष्ट
हैं वही प्रयोग किया जाएगा जो उप प्रधान में दिया
गया है।

अनुसूची

एक डेक मंजिला मकान नं० 20 आनन्द लोक अंतर्फल
800 वर्ग गज आनन्द लोक नई दिल्ली में स्थित है।

अंजनी ओजा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-1, दिल्ली-1

१/१४८, अनंतराम मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/उक्य०-१/एस० आर०-III/
12-78/896—अतः, मृद्दो, अंजनी आंजनी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ब
के अधीन सभी संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ते अधिक है

और जिसकी सं० एम-15 है, तथा जो प्रेटर कैलाण-II, नई
दिल्ली में स्थित है और (इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 22-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का तरण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र स्वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्री राम नारायण भाटिया, सुपुत्र श्री राम दित्ता मल,
निवासी सी० ए०/२, टैगोर गाँड़न, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री नारायण सिंह, सुपुत्र श्री मोती मिह, निवासी
ई-१४१, प्रेटर कैलाण-१, नई दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय के दिन
गया है।

अनुसूची

फोहोल्ड प्लाट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों
हैं का नं० एम-15 है और क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है, प्रेटर
कैलाण-II, नई दिल्ली में है।

अंजनी आंजनी

निम्न प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० डी० एन० एस ---

आधिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अंजन रोज़-1, दिल्ली-1

4/14 आसफाली भार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1979

निदण सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम० आर०-३/III
12-78/893—अन्: मुझे, अंजनी श्रोजा,

प्रायकर प्रविधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तम प्रविधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी दुकान एम-30 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (आंग इसमें उगावद्व अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्ण प्रविधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फरक दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिपात् अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रान्तरण निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रविधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनारूप सम्पादिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूचा

प्राट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों है का क्षेत्रफल 196.5 वर्ग गज है और नं० एम-30 है, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में है।

अंजनी श्रोजा

मक्षम प्राधिकारी

महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अंजन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

अनु: अब, उक्त प्रविधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रविधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन अन्तरित अधिकारी, अर्थात्:—

प्रसूप श्राई० टी० एन० पृ४०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रवंद रेंज 1, दिल्ली

4/14-ए, आमकलों भार्त, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश मं० प्राई० न० गी०/इक्य०-1/गा० आर० III/
10-78/758—अन०, मुंबई, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है ति स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुपि भूमि है, तथा जो जैतपुर, गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा प्रिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीर्टा प्रिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से घटित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से कुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजा रम. मुकुद श्री ईशर मिह, प्रोन्टर बन्ध गांव तहसील महरौली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री नदत नाल मितन, स्वयं तथा श्री दिनेश कुमार तथा रमेश कुमार के लिए (2) श्री स्नेह कुमार, 19/6, कालकाजी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह युचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस युचना के राजावत ने प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ताद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस युचना के राजावत में गठान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभावित है, वहों पर्याय ज्ञात, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 बिघा तथा 2 बिसवा है और खसरा नं० 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668/1, 660, 670, 671/1, 672/2, 673, 674, 675, 676, 677, 679 से 684 त्रिंदि है, गांव जैतपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा
सक्रम अधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

पोस्टर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1,

4/14। आसफ़उली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 27 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस० आर०-II/10-78/
756—यतः, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम 2 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीरन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
ष्टन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

1. श्री गुरुवकर मिहू पाठ्या, के-9, साउथ एक्स्ट्रेन
पार्ट 2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

2. मैं ओल्ड विलेज इंडियन विं, 16 ए, नारायण
इंडस्ट्रीज एसिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीन व्यक्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंगेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अक्षितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों हैं का क्षेत्रफल
195 वर्ग गज है, और नं० एम-2 है, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली
में स्थित है।

अंजनी ओजा
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-6-1979

मोहर :

ਪ੍ਰਲਾ ਆਈ. ਟੀ. ਏਨ. ਮਿ. —

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा
269-ब (1) के प्रधीन मुद्रन।

भारत ग्रन्थालय

कार्यालय, महायक प्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जुन रेखा-१। दिल्ली-१।

नई दिल्ली 1, दिनांक 26 जन 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/गक्य०/1/एम० आर०- /
अक्षतुवर 2--यतः, मध्ये, मिस अंजनी ओक्टा,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके दृचतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-बा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मूल्पति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्राफिम कलैट नं० 102 है, तथा जो
मालिकी मिनेमा कोषावैकम, ग्रेटर कैलाण 2, नई दिल्ली-1 में
स्थित है (और इसमें उपवद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण स्वप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्रवाय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अंतरण के लिए वर्तमान वर्तमान विभिन्न विभिन्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वर्णविभाषा में कठिन नहीं किया गया है :-

(6) प्रन्तरण में दुड़े किसी आप को बाढ़ा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: शोर/गा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रत्वार्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सक्षम।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 3क्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यविधयों, अर्थात्—

1. सैनर्स डॉ. प.त. एका बुलडिंग निविटे ११-२२
तम्चे लेण, पालियापोऱ्ह त्रीट, रे. इल्ही।
(संस्करण)

2. श्रीमतो राज कुमारी धर्मकन्ता (स्वर्गीय) द्वितीय
राम नारायण कटारिया प्रीता (२) श्रीमती एवं
कन्ता धर्मकन्ता श्री बनराज कटारिया, निवास स्थान,
प. २० जंगभुजा, नई दिल्ली।
(अनलाइन)

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीं मणिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में काई भी प्रारंभिक ...

(क) इन सूचना के राजस्व पर प्रभाग को कारोबार में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोगशालाओं के ताम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાન

एक औफिस पर्सेन्ट नं० 102 (पहली फ्लोर) क्षेत्रफल
617.9 वर्ग फुट स्थित—माविकी भिन्नेमा कोम्प्लैक्स, शेटर
कैलाश 2, नई दिल्ली ।

मित्र ग्रंजर्वा ग्रोष्मा
सुश्रमा श्राधिकार्य

महायक आयवर अपूर्वत (निरक्षण)

तारीख : 22-6-1979

मोहर

प्रस्तुत आठ०टी० ए८० प्रा०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
2397(1) के अधीन भूमि

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयकर (निरीक्षण)

अधीन रेज I,

4/14क, आसफजली भार्ज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/I/एस० आर० 3/
अक्तूबर II (3)/1978 79/715—यतः, मुझे, मिय अंजनी
ओझा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० औरिफिल्ड फैन्ट नं० 304 है, जो जो भाविती
सिनेमा कोम्पनीकम, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य
उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, सम्मिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या ज्ञासे बचने में
मुद्दिया के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुद्दिया के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाकियों, प्रवर्ति:—

1. पैकर डी० एल० एक० युवाइडिंग चिमिटेझ 21-22
लिंग डेलेस, नई दिल्ली
(अन्तरिती)
2. श्री केवल रिणीर, जुनेजा, पुत्र श्री वी० आर० जुनेजा,
कमल प्रिया 30 नंग बहादुर रोड, देहली-८, (द० पी०)
(प्रतिरिती)

या ये भूमि जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निये एतद्वारा विवरिता लगू होती है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आज्ञा:—

(क) इस सुविना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि वा तत्स्वव्यावो अविक्तियों पर सूचना
को दिनांक से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास तिकित में किए जा सकेंगे।

सरकारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक आकिम फ्लैट नं० 304 (तीमरी फ्लैट) क्षेत्रफल
488.6 वर्ग कुट मिथनी सावित्री सिनेमा कोम्पलेक्स, ग्रेटर
कैलाश II, नई दिल्ली ।

सिव अंजनी ओझा
नभम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अधीन रेज I, नई दिल्ली-१।

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी ० एन० एस० —————

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26९ च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली 1

नई दिल्ली 1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश म० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ग्र० ३/
अक्तूबर १(३८)/१९७८/७९/७०५—यतः, मुझे, मिस अंजनी
ओझा,

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-च
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इषए
से अधिक है

और जिसकी सं० औफिस फ्लैट नं० 302 है, तथा जो तीमरी
फ्लोर, माविकी मिनेमा कोम्प्लैक्स, ग्रेटर कैलाश 2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख 14-10-1978
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रभुरग लिखित में बास्तुविह रूप से कहित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से तुर्हि किसी दाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी दाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय दाय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26९-च में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 26९-च की उपधारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रबोध :—

4-146 GI/79

1. मैमर्म डी० ए० ए० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22
नरिन्द्र पेलेम, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज नन्दा धर्मपत्नी श्री सी० ए० नन्दा
सी०/८२ डिफेंस बालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक समति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त समति के प्रबंध के संबंध में कोई भी व्याख्या—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद ये
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी
अविक्षियां होती हैं ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षियां होती है, अधोदस्ताभारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक औफिस फ्लैट नं० 302 तीमरी मंजिल पर क्षत्रफल
617.9 वर्ग फुट स्थिति माविकी मिनेमा कोम्प्लैक्स, ग्रेटर
कैलाश 2, नई दिल्ली ।

मिस अंजनी ओझा
सक्षम अधिकारी
सहायक आमकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी•एन•एस•—*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० ए० आर०-३/अक्सूबग-
II (1)/1978-79/713—यतः, मुझे, मिस अंजनी ओझा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिमकी सं० औफिस फ्लैट नं० 406 है, तथा जो (चौथी
फ्लॉर) सिनेमा कोमर्शियल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डहू
प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण मिलित में
वास्तुपूर्ण रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को चिह्नों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्तः—

1 मैसर्स डी० एस० एफ० लिमिटेड, 21-22 नरेन्द्र पेलेम, प्रालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2 श्रीमती सुशमा जरिथ धर्मपत्नी मेजर वी० पी० जरिथ केयर आफ मेजर वी० पी० जरिथ, गैरीमन इंजीनियर इंशरन्स पेलेम, अलवर, राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बजेंत के सम्बन्ध में कोई भी मालिक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाता द्वारा :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक औफिस फ्लैट नं० 406 (चौथी फ्लॉर) थोकफल 468.7 वर्ग फुट स्थिति भिनेमा कोमर्शियल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

मिस अंजनी ओझा
मक्षम अधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1 दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
ग्राम्यकृति—यतः, मुझे, मिस अंजनी ओझा,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० औफिस फ्लैट नं० 306 है, तथा जो
मालिकी सिनेमा कोमण्डिल कोम्प्लैक्स, ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्सं डी० ए० ए० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22
नरिन्द्र पेलेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्री असबानी कुमार जुनेजा पुत्र श्री बी० आर०
जुनेजा, कमल प्रिया, 30 तेग बहादुर रोड, देहरादून,
(यू० पी०)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्यतामारी के पास लिखित में
किए जा सकें।

संबोधण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक औफिस फ्लैट नं० 306 (तीसरी फ्लौर) थैतेफ्ल
वर्ग फुट 469, स्थित सिनेमा कोमण्डिल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली।

मिस अंजनी ओझा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

मोहूः :

प्रस्तुति भाई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जून 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस०आर०-III/
आकूबर-II-, (4)/1978-79/716—यतः मुझे, मिस अंजनी
ओझा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० औफिस फ्लैट नं० 203 है, तथा जो (साबिती
सिनेमा कोम्प्लैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है
(श्रीरहस्यमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-10-1978 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रस्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वांछत-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन, या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तयों मर्यादा:—

1 मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22
नग्नद पेनेम, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2 श्रीमती ग्रान्टला अरोग्या धर्मपत्नी श्री अमर नाथ
अरोग्या 11 मालवीय रोड, देहरादून (य० पी०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्धि निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्तण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक औफिस फ्लैट नं० 203 (दूसरी फ्लौर) क्षेत्रफल
578.3 वर्गफुट सिनेमा कोम्प्लैक्स बिल्डिंग स्थित ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली।

मिस अंजनी ओझा
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

गोहर :

प्रस्तुप प्राइ. टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/प्र०स० आर०-III/
अक्कूबग-१ (45)/712/78-79—यतः, मुझे, मिस अंजनी ओझा,
महायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी नं० सी-133 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-१, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पासा गया प्रतिफल
निष्ठलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में बास्तविक रूप
से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें महायक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य प्रति अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निष्ठलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सुदर्शन कुमार चड्डा सुपुत्र श्री बी० एन० चड्डा
निवासी, 134-आर, माइल टाउन, दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्री मनमोहन मिह, सुपुत्र श्री अवतार सिंह निवासी
8/25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिक्षियों)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त समान के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संस्करणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 313 वर्ग गज है और नं० सी-133
है, ग्रेटर कैलाण-१ नई दिल्ली में है।

मिस अंजनी ओझा,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/ग्रस्य०/I/10-78/748—

यतः, मुझे, अंजनी ओक्सा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सें० ई-54 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती दया वती, पत्नी श्री सोहन लाल
(2) जनक राज (3) मोहिन्द्र लाल
(4) विजय कुमार मंभी सुपुत्र श्री सोहन लाल,
निवासी 7/21, दिल्लीगंज, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सिकन्दर लाल पाहवा, सुपुत्र श्री शेर सिंह
(2) श्रीमती मुमताज पाहवा पत्नी श्री शेर सिंह,
निवासी एफ० डी०-34, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति महितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० ई-54 है और धेनफल 556.३
वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है।

अंजनी ओक्सा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर

प्रालूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
10-78/718/78-79—प्रत; मुझे, अंजनी ओझा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है
और जिसकी मं० ई-299 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई
दिल्ली में स्थित है (और डम्से उपावड़ अनुग्रही में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 18-10-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पगड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जी कौलाला प० मेघांगा थापर, गुप्त श्री (ग्वारीय)
परमेश्वरम गिलनांग, निवासी ई-299, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री आर० डी० थापर, सुपुत्र श्री हरी चन्द थापर
(2) श्री राजेण ए० थापर, सुपुत्र श्री आर० डी०
थापर (एन० य० एफ०), निवासी ई०-299, ग्रेटर
कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

ग्रन्तसूची

मकान जोकि 303 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है,
इसका नं० ई-299 है, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार में स्थित है :—

पूर्व :	रोड
पश्चिम :	ई-297
उत्तर :	रोड
दक्षिण :	मर्विम लेन।

अंजनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

गोप्त्वार्थ ;

प्र० प्र० आर्ट० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-५६२/नकोदर/७९-८०—प्रतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रति एक से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
ऊंगी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नकोदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बावजूद, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रीरया

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी घन या अन्य ग्रासितों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षांतः :—

1. श्रीमती भवा देवी विधवा ज्वाला महाय द्वारा मुख्यारे-
आम जगदीश्वर महाय पुत्र ज्वाला महाय गांव: ऊंगी
तहसील, नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेवाल मिह, जगतार मिह, केवल मिह, अमरजीत
गिह मुमुक्षु दलवाग गिह, गांव ऊंगी, तहसील,
नकोदर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० २ में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानका
है तो वह सम्पत्ति में लिनबद्ध है)

को यह मूचना आरो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56 क० भूमि गांव ऊंगी में जैसाकि विवेष नं० 2650
जनवरी, 1979 रजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नकोदर में लिखा
है।

मुख्यदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979

मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्मायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बठिण्डा

बठिण्डा, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-५६३/नकोदर/७९-८०—यतः, मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ऐसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
ऊंगी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावजूद उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विदा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भाग पर प्रत्येक अन्तरितीयों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
वनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
मुश्विदा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तरितीयों अधीत:—

5—146GT/79

1. श्री सुरिन्द्र सहाय पुन्न ऊवाला सहाय गांव ऊंगी, तहसील,
नकोदर

(अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल मिह, जगतारसिंह, केवल सिंह, अमर
जीत मिह मधुपुत्र दबेवाग मिह, गांव ऊंगी, तहसील,
नकोदर

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्भाति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह युवता जारी करने पूर्वोक्त सम्भाति के अर्जन के
लिए कामेबाहियां करता हूँ।

उक्त प्रभाति के यर्जन के व्यवधान में कोई भी ग्राफेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दीया, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

56 क० कृषि भूमि गांव ऊंगी में जैमा कि विलेख
नं० 2649 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर
में लिखा है।

सुखदेव चन्द्र

मक्षम अधिकारी

महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बठिण्डा

तारीख : 18-6-79

मोहर :

प्रकृति शार्दूली १० एवं १२०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा

269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज़, भटिडा

भटिडा, विनांक 27 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी०-५६४/७९-८०/जी० आर० ए४०—

यतः मुझे सुखदेव चन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आधा 269वाँ अधीन सूचना प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्वावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

जिसकी स० जैसा कि अनुसूची हमें लिखा है तथा जो गढ़शंकर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल कंलिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के एवं उक्त प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्ररण सिद्धि में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरगत हुई किसी आवश्यकता प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी आवश्यकता प्रधिनियमों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्य अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त प्रधिनियम जी प्रारा 269 वाँ के मन्त्रमरण में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269वाँ अधीन (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

- श्री सुरेश्वर सिंह पुत्र कर्म मिह बासी गढ़शंकर, जिला होमियारपुर (मन्त्रिम)
- श्री देव राज, हरबंस सिंह, सुपुत्र जीवन मिह बासी रेलवे रोड, गढ़शंकर, जिला होमियारपुर। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रधिनियम के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त व्यंगति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी व्याख्या :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक दुकान पी० इक्ष्य० रोड, गढ़शंकर में जैसे कि विलेक नं० 2560 नवम्बर 1978 रजिस्ट्रीकरणी प्रधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

सुखदेव चन्द्र
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज़, भटिडा

तारीख : 27-6-78
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन. एस. ——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिणा

भटिणा, दिनांक 28 जून, 1979

निदेश सं० ए० पी० 565/79-80/बी० टी० प्राईंटी
यतः मुझे, सुखदेव घन्द

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269वाँ के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
भटिणा में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिगत अधिक है और प्रस्तर (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित ठहराय से उक्त अस्तरण विवित में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित में कमी
करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या वस्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
बलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः पर्याय, उक्त अधिनियम को वारा 269-वा के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269वाँ की उपका वा
(1) के अधीन विम्बलिक्षित अवित्यों, अवौतः :—

1. श्री नन्द कुमार पुत्र सक्षमण दास पुत्र अमन लाल, भटिणा
(प्रस्तरक)
2. भेनर आस्मा सिंह पुत्र ईशार सिंह पुत्र वेदा सिंह, गांव
महल खुर्द, भटिणा
(प्रस्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है 'यह अवित, जिसमें
अधिभोग में सम्पत्ति है'
4. जो अवित सम्पत्ति में वस्ति रखता है (यह अवित,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

जो वह सूचना आरी करके पूर्वोन्नति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवौत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इसबाद किसी
प्रम्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभ्रामित है वही
पर्व होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 453 व० ग० अर्जीत रोड पर जैसा कि विलेख
नं० 4236 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा
में लिखा है।

सुखदेव नन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिणा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-५६६/७९-८०/भटिण्डा—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा
में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसंबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा प्राया माया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधीन-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आतिथियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त के अधिनियमको धारा 269-घ की उपधारा(1)
अन्तरिक्षीय निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

1. श्री तीर्थ राम पुनर भगत राम, जी० ए० दर्शन कुमार,
सीकरी बाजार, भटिण्डा

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह पुनर हरबंस सिंह पुनर बलशी सिंह सी-
353, अर्मल एक्ट, भटिण्डा

(अन्तरिक्षीय)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में नवि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या नवां अवधि अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एक्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक्ट प्लाट 452 स० मञ्चीत रोड पर जैसा कि खिलेल
नं० 4257 दिसंबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा
में लिखा है।

सुखदेव चन्द

संभव प्राधिकारी

सहावक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रबन्ध प्राई. टी. एन. एस. 1961
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269वा (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निवेदण सं. ग. पै०-५६७/भटिण्डा/७९-८०—यतः
मुझे, सुबद्रेव चन्द्र,
आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269वा
के अधीन सभीन, प्राधिकारी को, यह विश्वास दर्शने का कारण है
कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार गूँथ 25,000/- रु.
से अधिक है।

और यजसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये भल्लरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फन्डह प्रतिशत से
घटिय है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और धन्तरक्षी (धन्तरक्षियों)
के बीच तेसे घल्लरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
इस्य में छप्ते धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से ही किसी गवर वौ वाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोर/या।

(ख) ऐसी किसी गवर वौ किसी धन वा घन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्तर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै
प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया
जाना चाहिये, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव. उक्त प्रधिनियम की बारा 269वा के अनुसार वे
वै, उक्त प्रधिनियम की बारा 269वा की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री राम कृष्ण उर्फ राम दाम पुत्र चानन राम पुत्र शिव
दयाल भटिण्डा
(दानतरक)
2. श्री नगिन्द्र मिह पुत्र ईश्वर मिह पुत्र देवा मिह गांव
महल खुर्द, बरनाला
(ग्रन्तिरती)

3. जैसा कि ऊर नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति न सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को ११ अक्टूबर १९८० के दिन सम्पादित करता है।

उक्त सम्पादित के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी वाता :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्राप्ति या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
सी नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में यादा परिचयित
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अन्याय में लिखा
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 453 वर्ग गज जोकि अजीत रोड पर जैसा कि
विलेख नं. 4258 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी
भटिण्डा में लिखा है।

सुख देव चन्द्र
सभाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 वा (1) के प्रश्नीय मूल्यना

भारत सरकार

सार्वजनिक सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-५६८/भटिण्डा/७९-८०—यतः,
मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आरा 269-वा के प्रश्नीय समाप्ति प्राधिकारी को, यह विश्वाय
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित
बाजार मूल्य 26,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा
में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रश्नीय, तारीख दिसम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की जाई है और मुझे यह विश्वाय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तब याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
लिख्य से उक्त प्रत्यक्षण निश्चित में वास्तविक रूप से उक्त
नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रश्नीय कर देने के अन्वरक के
वायित्व में कपी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय का किसी बन वा प्रत्यक्षितियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अब; यह उक्त अधिनियम को आरा 269-वा के
अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा की
उपवारा (1) के प्रश्नीय निम्नलिखित अधिकारों, अवातः—

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र भगवान दास पुत्र कला मस, गली
अकीम बासी, भटिण्डा।
(अन्तरक)

2. मेजर आत्मा सिंह पुत्र ईशर सिंह कुलवन्त कौर परन्ती
निर्मल सिंह, नगिन्द्र सिंह पुत्र ईशर सिंह गांव महल खुदै,
बरनाला।
(अन्तरिसी)

3. जैसा उपर नं० २ में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी बारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
45 दिन की प्रवधि या नसंबंधी व्यक्तियों पर
पूर्वोक्त सम्पत्ति की तारीख में 30 दिन की प्रवधि
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा,

(क) इस बूढ़ा के उचित बाजार मूल्य से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एकलिङ्ग :—इसमें प्रबुत्त, गर्भों और पतों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवाहित
हैं, वही प्रयो होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक घला 488 सं० अजीत रोड पर जैसा कि लिखेका नं०
4270 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में
लिखा है।

सुखदेव चन्द्र

समाप्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निवेश सं० पटियाला/141/78-79—प्रतः, मुझे, नन्थ राम,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'छक्का प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के
अधीन सज्जन प्रधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति विद्वान उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले
(0-16-79 हैक्टर) है, तथा जो गांव किपड़ी पटियाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख प्रबूढ़ा, 1978 को

पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तब पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तुसंरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्ति:—

1. श्री गुरिन्दर सिंह प्रेदाल पुत्र हरदेव सिंह प्रेदाल धासी
विवाहियों स्ट्रीट, पटियाला
(अन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर परनी श्री मनजीत सिंह धासी
मुहल्ला भाई कीवां, सुनाम शहर, जिला संगरुर
(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बति के अर्जेन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि द्वारा में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितवद्ध
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताकरी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है और गांव
किपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के लिए नंबर 3694, अक्टूबर, 1978 में
दर्ज है।

नन्थ राम
संकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 जून 1979

मोहर:

प्राप्ति प्राई ० टो० एन० एम०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) मध्येन सूचना

पारम शरणार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० पटियाला/145/78-79—यतः, मुझे, नथू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 8 मरले हैं, तथा जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को पूर्णोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्तिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राप्ति को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन भर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्राप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा जिसे जाना चाहिए था, क्षिप्रते में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनयों प्रथातः—

1. श्री गुरिंदर सिंह प्रेषाल पुत्र श्री हरदेव मिह प्रेषाल, वासी बिवरिया रोड, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री भगवान मिह वासी राधो माजरा, पटियाला,

श्रीमती अविनाश सेठी पत्नी श्री एच० पी० सेठी, दुखनिवारन रोड, पटियाला

श्रीमती रविन्द्र कौर भला पत्नी श्री मनमोहन मिह वासी राधो माजरा, पटियाला

व श्रीमती शाम कौर पत्नी श्री तीर्थ मिह, राधोमाजरा, पटियाला

(अन्तरिती)

की इद यूनियन जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी मानो—

(क) इस यूनियन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर यूनियन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस यूनियन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 8 मरले हैं और जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 3737, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

नथू राम
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश मं० पटियाला/144/78-79--अत. गुजे, नथू गम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-घ के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी नं० खोला जिसका श्रेवफल 164 वर्ग गज है, तथा जो जंड गली, नजदीक चीर पुरानी कोतवाली, पटियाला, में स्थित है (और इसमें उपावरु अनुमूली में और पूर्ण रूप में बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् अवैधतिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और भल्लरक (भल्लरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बूबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

6-146GI/79

1. श्री प्यारे गिहे गेंगान पुन हरनाम गिहे व श्रीमति राजिन्द्र कौर पानी ज्याने गिहे वार्मा पटियाला (अन्तरङ्ग)
2. मैसर्ज अशोका फाइनेंस व चिंड कफ्ट कम्पनी (रजिस्ट्रेड), फोर्ट बाजार, पटियाला (अन्तरङ्गी)

जो यह युक्ति जीवी विवरित रूप से उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में जाई गी आधेप-

- (क) इस दूना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर गूबना की ताबोन ने 30 दिन तक प्रवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में मे किमी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस दूना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य जाकिन द्वारा, या गोऽस्ताशयों के पास किसिवित में किए जा सकेंगे।

इन्हीं हरण ——इनमें यशुमा जब्तों और फर्तों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

खोला जिसका श्रेवफल 164 वर्ग गज है और जंड गली, नजदीक चीर, पुरानी कोतवाली, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के त्रिलोक संख्या 3734, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

नथू गम
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं ० पीठीए०/१४९/७८-७९—यतः, मुझे, नव्य ग्राम, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उच्चत प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269 अ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, तथा जो जड़ गली, फौट बाजार, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रामियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच, ऐसे अन्तरण के लिए तथा ग्रामकर नियमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

बौद्ध्या

(म) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य ग्रामियों को जिन्हे भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यब उक्त अधिनियम की ओरा 269 अ (1) के अधीन निम्नलिखित अधिसूची, वर्ता :—

1. श्री प्यारा मिह श्रेवाल पुब श्री हरताम मिह व श्रीमति राजिन्द्र कौर पत्नी श्री प्यारा मिह श्रेवाल वासी पटियाला

(अन्तरक)

2. मैसर्ज अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला (अन्तरगती)

3. मैसर्ज अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला, श्री काहन चन्द मारफत अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रामिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रामिय द्वारा, ग्रामोद्योगिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सम्बन्ध 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस सम्बन्ध में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो जड़ गली, फौट बाजार, पटियाला, में स्थित है। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3814, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नव्य राम
सक्षम प्राधिकारी
ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० लुधियाना/78/78-79—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज, लुधियाना ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० शाप कम फ्लैट नं० 13, सरामा नगर, है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

प्रतः ध्व, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मल सिंह पुत्र श्री गुरबद्धा गिह वासी गांव बोपा राय कलां, नहसील लुधियाना (अन्तरक)
2. श्रीमति हरकीर पत्नी श्री शाम सिंह वासी एस० सी० एफ० नं० 13-आई०, सरामा नगर, लुधियाना (अन्तरिती)
3. भैमजं नवीन बुक्स ए० ए० जनरल स्टोर, एस० सी० एफ० नं० 13-आई०, सरामा नगर, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

संख्याकरण :— इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम फ्लैट नं० 13, सरामा नगर, लुधियाना। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख गंड्या 2636, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
मकान प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 15 जून 1979
मोहर :

प्रैरुप पाई० टी० एन० एम०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० का० भ० आयपा० नी०/अर्जेन/१०/७८-७९—
यतः, सुझे, एम० वी० आर० प्रसाद,
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 3 ब्लॉक नं० 'ई' फील्ड नं०
है, तथा जो धरमपेठ, नागपुर में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कग के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिग्राम से अधिक है और अन्तर (अन्तररक्तों)
और अन्तरिती (प्रतिरिती) ५ रुपए ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) देसों फिरों ग्राम पा निहाय धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उस अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला नारायण हेंडेकर 186, अलंगंज,

श्रहमदावाद (उ० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री वर्गंत नालजी महेशकर,

3. श्री गणेश नालजी महेशकर, दोनों रहने वाले, भगवाधर
नेग्राउट, धरमपेठ, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संधीज्ञान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, ब्लॉक नं० 'ई', फील्ड नं० 78, धरम पेठ,
नागपुर।

एम० वी० आर० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, नागपुर

तारीख : 13 मार्च 1979

मोहर :

प्रस्तुप नाइ० टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा

269ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग, नवनकुल कार्यालय

नवनकुल, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० एम०-१०४/ग० सं० य०—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० मकान 29-ए (प्लाट नं० 31) है, तथा जो हिस्टिंग रोड (न्याय मार्ग) इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीष्म उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद से गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बन्ध निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) सम्बन्ध से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के सम्बन्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यन्तरित द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शहनाज दरबारा गांधी

(अन्तरक)

2. श्रीमती मालती गोश्याल

(अन्तरिक्ती)

3. श्रीमती मालती गोश्याल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती शहनाज दरबारा गांधी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोलिखानाकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखानाकारी के पास विद्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रापित हैं, अन्तीम रूप होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29-ए (प्लाट नं० 31) स्थित हेस्टिंगज रोड (न्याय मार्ग) इलाहाबाद लीज होल्ड तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी मंजुआ 4337 दिनांक 7-7-78 तथा 1-10-78 गे 15-10-78 की अवधि के फार्म 37-एच की अस मंजुआ 1 तथा 5-10-78 तथा मेल डीड में वर्णित है जो कि गवर रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 7-7-78/अक्टूबर, 1978 गे पंजीकृत है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नवनकुल

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग लखनऊ,
लखनऊ, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश मं० आर०-131—यतः, मुझे, अमर विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रविष्ट है और जिसकी

मं० 178-ए है, तथा जो नववास कोना-इलाहाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह
प्रतिशत अधिक है और प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री पता लाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधिका देवी

(अन्तर्गती)

3. श्रीपता नान (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना द्वारा करके उक्त समान राज्य के
लिए कार्यादियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैतनिक संबंध में कोई भी व्याप्रेष :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्संवेदी अवित्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदर्शि-
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, जघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 178-ए जो कि मोहल्ला नववास
कोना शहर इलाहाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब
विवरण जो कि फार्म 37-जी नं० 4444 तथा सेलडीड में
वर्णित है तथा जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय
में दिनांक 9-10-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह विसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-4-1979

मोहर :

प्रस्तुति श्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-57, ग्रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० प-७६/ग्रजन/७९—यतः मुझे, अमर सिंह बिमेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 29/69 है, तथा जो मलदहिया वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1978

को पूर्वोक्त अधिनियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारीकरण का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्षित से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित से उक्त अधिनियम के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम लिखित में वास्तविक करने की विधि नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दूई दिनों धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिनी अवधि या दिनों धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बदलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राधा देवी तथालिया

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार जैगवाल व श्रन्य

(अन्तरिती)

3. विकेन्द्र (वह व्यक्ति किमके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मय जमीन के इमारत एक बीघा चार विस्ता चांदाधूर 3157.7 वर्ग मीटर बन्दोबस्त नं० 483 न्यू नं० सी-29/69 स्थित माल दहिया वाराणसी व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 1 9221 में व मेलडीड में अंकित है जो कि मब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 25-10-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिमेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, लखनऊ

तारीख : 9-5-1979

मोहर :

प्रस्तुत ग्राइंड टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेज 57, रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 मई 1979

निवेदण सं० एस-17।।/ए० सी० एक्यू/ग्रंथन/79—पतः,
मुझे, अमर मिह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 8/33 है, तथा जो पुराना किला लखनऊ
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निये लिखित में वास्तविक रूप से
कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आमियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. श्री फजलुर रहमान

(अन्तर्कः)

श्रीमती जारदी देवी

(अन्तार्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसपै व्युक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रगता हिस्मा मकान नं० 8/33 जो कि पुराना किला
लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि
फार्म 37-जी नं० 4794 तथा मेन डाइ में वर्णित है और सब-
रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 13-10-1978 को
दर्ज है।

अमर मिह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, लखनऊ

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 1 जून 1970

निवेश मं० 801-ए—अतः, मुझे भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में प्रधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में
स्थित है और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्लिन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दृई किसी प्राय की वाचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम नी धारा 269-ष के अनुसरम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

7-146 GI/79

श्रीमती शारदा शर्मा धर्मपत्नी श्री रमा वांत शर्मा
माकिन शिवमरोवर कालोनी शहर मेरठ
(अन्तरक)

2. श्रीमती संगीता दुआ धर्मपत्नी डा० जगन्नाथ दुआ
माकिन 64 बेगम ब्रिज लायर बाली गली ऊहर
क्वार्ट्स शहर मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी अवधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 26 वाके शिवमरोवर कालोनी शहर मेरठ
में 60,000/- रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य
रु० 1,20,000/- रुपए आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइ० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिल्ली 4 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 644/अर्जन/इटावा/78-79—गत: मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अध्यात् 'उत्तर अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन मकान प्राप्तिकारी को, यह विवरण उठाने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाचन आजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिनकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इसमें उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है, उनिही नई अधिनियम के कार्यालय, इटावा में
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-10-1978

को पूर्णांग सम्पत्ति के उत्तिवाचन साझार पूर्ण से कम के वृश्यतान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह रिकार्ड करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवाचन साझार मूल्य,
दसके वृश्यमान प्रतिकूल है, ऐसे वृश्यमान अंतिकूल का
प्रतिशत अधिक है सीर इन्टरेस्ट (अन्तरक)
और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के त्रिं
तय पाया जाया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में अन्तरिक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्भ किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राह या किसी तत्त्व या अन्य दिल्लीयों
को, जिन्हें आरनीए प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगतामय सर्वानुसारी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, उक्तने में
सुविधा के लिए:

उत्तर: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों के अर्थात्:—

(1) श्री ईश्वर दास पुत्र हासोपल व परमत लाल पुत्र
बीबामल व मोहन लाल पुत्र ईश्वनदाम व भागवन्द
पुत्र बीबामल व श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी बीघा-
मल, निवासी कस्ता गर्थना।

(अन्तरक)

(2) श्री वामुदेव जारदा पुत्र मोहन लाल जारदा
निवासी मू० मकसूदपुरा शहर इटावा।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादितों कराना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में लोटी मो आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त नामों से
15 दिन की अवधि या तामचनी अविक्षयों पर
मुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती हो, तो भाग वृत्तेकल
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लप्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर और गोरों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूचा

अचल समाजी 18 गोदाम 3 हाल, इमारत मध्य आफिल
कोठरी आदि स्थित मुहुल्ला कटरा शमशेर लां शहर इटावा
70000 रुपए में बेची गई जिसका उत्तिवाचन आजार मूल्य 150000
रुपए है।

भ० च० चतुर्वेदी
मकान प्राप्तिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
तारीख : 4-6-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जून 1979

निर्देश सं० 561/अर्जन/फि० बाद/78-79—यतः, मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से
अधिक है

और जिम्मी सं० है, तथा जो
में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1951 (1951 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
के सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्रीमती मेवा पुर्वी मोद्दी बेवा गुन्दर चिह्नित निवासी
ग्राम आर्जनपुर तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा
(अन्तरक)

2. श्री मंसुर खां पुत्र रामजग खां, श्रीमती शरबती देवी
स्त्री नेमालील चिह्नित निवासी ग्राम अर्जनपुर तहसील
फिरोजाबाद व नरपिंडपाल व सूरज पाल पुत्रगण
मोहा राय निवासी ग्राम हरदामपुर कोटला तहसील
फिरोजाबाद जिला आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीन समति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन ते वस्त्रव्य में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन ही पवित्र या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना का नामीत में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंदरस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलोकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कुपि भूमि 6 बीघा 12 बिस्त्रांसी
मियन मोजा अर्जनपुर तह० फिरोजाबाद जि० आगरा 36000
रु में बेची गई त्रिमुका उचित बाजारी मूल्य 76000रु है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 5 जून 1979

निर्देश सं० 863/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की घारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयमे से भविक है
और जिसकी सं० है, तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावृ अनुसूची में और पूर्ण स्वप से
र्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 18-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त, अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रभतरके के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-
ष्टान में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ब की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिनियों, अर्थात् :—

1. सरदार तीरथ मिह चड्डा पुत्र सरदार चरन सिंह
निवासी नगर कांत कालोनी ईदगाह, आगरा।

(अन्तरक)

2. सरदार रवीन्द्र मिह पुत्र सरदार सरदूल सिंह
निवासी 24 खम रोड पूना महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल गृह सम्पत्ति नं० 39/32-ए नगर कांत कालोनी आगरा
47,000 रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य
65,000 है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 5-6-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहा० प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1979

निवेदण सं० 820-ग—यतः, मुझे भ० च० चतुर्वेदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्व. करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के फॅए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फॅए है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण ने लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उस अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यपात्र नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में कुछ किसी प्राय ता बात अधिनियम के अधौन कर देने के प्रभृति के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी प्राय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मी नरायण पुत्र सुखदयाल निवासी 3-ई 84 नेहरू नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सोहन लाल चानना पुत्र सुखदयाल मल चानना गिरीश चानना संरक्षक सोहन लाल चानना 117 तुराव नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आम्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शामि होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 3-ई/84 नेहरू नगर, गाजियाबाद में 70,000 रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,032 रुपए अंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 5-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० 893-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है, तथा जो मायापुर हरिद्वार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्तीर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रद्वाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

/ अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. भोलानाथ पुब श्री किशन चन्द्र निवासी श्रवण नाथ नगर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला—सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मरदार मनमोहन सिंह पुब सरदार सुर्जन सिंह निवासी गढ़वाल हरिद्वार पर० : ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला—सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चीम का, जा 'उक्त अधिनियम', के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 1633' वर्ग फुट स्थित श्रवण नाथ नगर मायापुर हरिद्वार पर० : ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर जिसके पूर्व में सड़क, पश्चिम गली, उत्तर गली, दक्षिण मकान राम दाम है। जोकि 9700/- रुपए में बेची है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 8-6-1979

मोहर :

प्रलम आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के मध्यम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० 892-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 193 है, तथा जो ग्राम भोपतवाला में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, हरिहार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उगके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वितीय ऐसे प्रमाणण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विभिन्न तंत्रास्त्रिय रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के मध्यम कर देने के अन्तरक के दायित्व
में जो दर्दों वा उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(द) ऐसी किसी पाया या निस्ती प्रन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्ननिवित अवित्तियों, अर्थात्—

1. मुभुक्ष मंडल भोपतवाला कला (हरिहार) परगना
ज्वालापुर लहसील रुड़की निला सहारनपुर द्वारा
खुशीराम (उप प्रधान) उक्त मण्डल सुमुक्त श्री गाम जीवन-
मल निवासी भोह० राम जीवनमल बाजार चिलकाना
रोड़, सहारनपुर।
(अन्तर्गत)

2. सनातन धर्म सभा खेडा नगर (अलीगंज) लोधी
रोड़ न्यू देहली द्वारा श्री दाता राम (प्रधान) उक्त
सभा सुमुक्त श्री अमीर चन्द्र जी निवासी। उक्त
सनातन धर्म सभा खेडा नगर अलीगंज लोधी रोड़,
न्यू देहली।
(अन्तरिती)

को यह सवना जारी करके पूर्वीत समाप्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की नामीन से 30 दिन, या अन्य, जो भी
अन्य व्यक्ति द्वारा मूल्यांकित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति प्रारा भाषोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिसाप्रित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि जिसका माप तीस फुट गुरान छियासठ
फुट आठ इंच भेत्रफल 2000 वर्ग फुट हैं रकवई 1—9 कच्ची
भूमि नम्बर खसरा 193 स्थित ग्राम भोपतवाला कला परगना
ज्वालापुर रुड़की पूर्व में सड़क पश्चिम व उत्तर सम्पत्ति नर्सिंह-
दाम दक्षिण संस्कृत विद्यालय है जो कि 85,000/-रुपा. में
वेती गई।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 8-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० इन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 11 जून 1979

निर्देश सं० 888-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो आनन्दपुरी जूही में स्थित
 है (ओर इससे उभाब अनुसूची में और पूर्ण स्तर से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीर्हर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से प्रधिक है और भगतरक (भगतरकों) भी अन्तरित
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भगतरण के नए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भगतरण लिखित में
 बाहुदर्शक रूप से वर्णित नहीं किया जाया है:—

(क) भगतरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए। ओर/या

(ब) ऐसी करो पाय या किरो छन या बन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922,
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जानाच हिए था उपराने में सुविधा
 के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरमें
 में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपलाई (1) के
 अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुवा अग्रवाल, पत्नी श्री कौ० कौ० अग्रवाल
 निवासी 51/35 नयांगंज, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार गर्म व पुत्रकर लाल अग्रवाल पुत्रगण
 श्री गिरधारी लाल 21/1 चलाई मोदाल कानपुर।
 (अन्तिमती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहक के लिए
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त संरक्षि के ग्राहक के मंदिरों कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या उत्तममध्यी अविक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्तियों में से किसी विक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अविक्त द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति निर्मित प्लाट नं० 3 आनन्दपुरी जूही, कानपुर
 जिसका क्षेत्रफल 1829.53 वर्ग फीट है जोकि
 1,40,000/- रुपए में बेची गई।

भ० च० चतुर्वदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 11-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1979

निवेश नं० ए० एम० आर/79-80/66—यतः मुझे एम०
के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा नं० 18 मिन खसरा नं० 2291, 2293, 2294 जिसका क्षेत्रफल 308 वर्ग गज है जो कि लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 27 अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तराक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

8—146G1/79

1. श्री किशन कुमार पुत्र श्री वनश्याम दाम निवासी अमृतसर लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अब रोहतक हरियाणा, कोठी नं० 751। (अन्तरक)

2. श्रीमती लीला बन्ती पत्नी श्री माई दाम निवासी अमृतसर लारेंस रोड, दयानन्द नगर कोठी नं० 200। (अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार होतो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा नं० 18 मिन खसरा नं० 2291, 2293, 2294, जिसका क्षेत्रफल 308 वर्ग मी० है जो कि लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर डी०, 2745 दिनांक 27-10-78 आफ रजिस्ट्रीर अयारटी अमृतसर शहर में कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।
दिनांक : 6 जून, 1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी १० एन० एस० ——

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज अनुत्तमर

अनुत्तमर, दिनांक 6 जून 1979

निवेश नं० ए० एम० आर०/79-80/67—यतः मुझे
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पार्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ
के अधीन साधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी नं० 40 कोर्ट रोड है तथा जो कि ठाकुर
महारिह रोड, अनुत्तमर में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण क्रम में वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के कार्यालय
अनुत्तमर शहर में रजिस्ट्रेटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 27 अक्टूबर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षमित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की आरा 269-घ की उपलापा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवतः :—

1. श्री प्रेम नाथ हाँडा पुत्र श्री राधा कृष्ण हाँडा
निवासी कोर्ट रोड, अनुत्तमर
(अन्तरक)
2. श्री जगतार सिंह पुत्र श्री सूबेदार गुरुबल्ला सिंह 40
ठाकुर महारिह रोड, अनुत्तमर
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उपर्युक्त के प्रबंधन के प्रबंधन में कोई भी घासेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में
मरम्मत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इण्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 40 जो कि ठाकुर महारिह रोड, अनुत्तमर में
है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2717/1 श्रिनंक 27-10-78
आफ रजिस्ट्रिंग अथारटी अनुत्तमर शहर के कार्यालय में हज़
है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज अनुत्तमर

तारीख : 6-6-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1979

निवेदण नं० ए० ए८० आर०/79-80/68—यतः मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के भवीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1160/X-5 जिसका क्षेत्रफल
129 वर्ग मीटर है तथा जोकि गली गुजरा ढाब खटीका
अमृतसर में स्थित है (श्रौं इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौं और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27 अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के भवीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के पनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यातः:—

1. श्रौं मरनमोहन खन्ना, राम गोपल खन्ना, बूज मोहन
खन्ना पुत्रान् श्रौं गुरबखन राय खन्ना, गली गुजरां
ढाब खटीका और श्रौमनो विजय कुमारी पुत्री श्रौं गुरबखन
राय खन्ना पत्नी श्रौं डो० बै० कपूर पाली हिल
बांदरा, बम्बई (अन्तरक)

2. श्रौमना इन्द्रा राना हांडा पत्नी जोगिन्दर कुमार हांडा
अमृतसर, मकान नं० 1160, गली गुजरां, ढाब खटीका
अमृतसर। (अन्तरितो)

3. जैमा किंजर सं० 2 में श्रौं और कोई किरायेदार होते
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि श्रौं और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1160, जिसका क्षेत्रफल 129 वर्ग मी० है
जोंकि गली गुजरा ढाब खटीका, अमृतसर में स्थित है जैमा किं
रजिस्टर्ड डीड नं० 2588 दिनांक 27-10-78 आफ
रजिस्ट्रूग अवार्डी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7 जून, 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1979

निदेश नं० ए० प्रम० आर०/79-80/69—यतः मुझे
एम० के० धर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से प्रधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 42 मिन/79 नया है तथा जो कि कृष्णा स्केयर, अमृतसर, मर गोपाल दाम रोड, अमृतसर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम, (1908-1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 24 अक्टूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पवध्रु प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतेकज, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बाहिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रत्युत्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा वती विधवा श्री मगवान दाम, अंबादी कृष्णा स्केयर, मर गोपाल दाम रोड, अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवन्त कौर विधवा श्री अवतार सिंह एडवोकेट निवासी हुसैनपुरा, अमृतसर अब सर गोपाल दाम रोड, अमृतसर (अन्नरिती)

3. जैमा कि ऊपरसे 2 में औरकोई किरायेदार होतो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति हम जायदाद में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तानकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेंट के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्धन के संबंध में कोई भी घासें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्तानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 42-मिन/79 नया कृष्णा स्केयर, अमृतसर मर गोपाल दाम रोड, अमृतसर जैमा कि रजिस्टर्ड डील नं० 2665 दिनांक 24-10-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

प्रम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख : 7-6-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/553—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए-५६ है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपांचढ़ी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रेकर्न अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रीमत, तारीख
18-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य वे उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के
प्रनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की
उपलाभ (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

(1) श्री हंसराज सुखीजा पुत्र श्री क्षेत्रराम सुखीजा,
क्वार्टर नं० 150ए० गुड नानक पुरा, आर्द्ध नगर,
जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ गोयनका पुत्र श्री रामदत्त गोयनका
निवासी; मिमकोस्टाफ कालोनी, भरतपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रधिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रधिधि
जो भी प्रधिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

एक श्रोपन प्लाट जिसके नम्बर ए-५६ है और जो तिलक
नगर जयपुर में स्थित है तथा उप पंजियक, जयपुर द्वारा
क्रमांक 2364 दिनांक 18-10-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-6-1979

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंटी, न० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, शिवांक 15 जन 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/455—यतः मुझे,
एम० आ० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में प्रधिक है,

और जिसकी सं० बी-123 बी है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
27-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिक्रिया लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, तिभ्वलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धार्य या किसी बन या अथवा आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के प्रधीन, निभन्नित्रित व्यक्तियों, प्रदत्त।—

(1) श्रीमतीं पान कुमारी बैद पट्टी श्री मंगल चन्द्र द्वारा
मुख्तार गुमानमल, तिवाड़ी भवन, एम० आ० आ०
रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नाथू लाल एवं श्री भवानी शंकर, मकान नं०
1931, नाहरगढ़ रोड, पुरानी बस्ती, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अञ्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पञ्चन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्यना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वहीं प्रथम होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रतुसूची

प्लाट नं० बी-123, बी मंगल मार्ग, जयपुर का पश्चिमी
भाग, जो उग पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2446 दिनांक 27-
27-10-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० आ० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15 जून, 1979
मोहर :

प्रस्तुत प्राप्ति दी। एम। एस। —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
296-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1979

निवेश संख्या : राज/महा० आ० अर्जन/554—यतः मुझे
एम। आर। अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
296-घ के प्रधीन सम्बन्धमें प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गृष्म भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(३) अनुरित न हुई जिसे पाय की धारा 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के शर्याय में कमी करने या उससे बदलने में
सुविधा के लिए; और/या

(४) देसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
ग्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं असंरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः प्रब. उक्त अधिनियम, की धारा 296-घ के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की
उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अयात् ।—

(1) श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री हरजी मार्ली निवासी;
अवार जिला अजमेर (राजस्थान)
(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी राजेन्द्र प्रसाद पुत्र दुर्गा प्रसाद मंगल,
2. श्रीराम 3. वस्तीराम 4. मोहन लाल एवं
श्री सोहनलाल पुत्र श्री रामगोपाल, खेतावत, ब्यावर
जिला अजमेर (राज०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभी अक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में
से किसी अक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टदोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

मनुष्याची

छात्रनी, नवानगर, ब्यावर में स्थित 4 बीघा 2 विस्वा
कृषि भूमि जो जिला पंजियक, अजमेर द्वारा क्रमांक 1 दिनांक
13-10-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम। आर। अग्रवाल
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1979
मोहर :

प्रलेप मार्गी दी० एन० एस०————
आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के मध्येन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आजन रेज, एरणाकुलम
एरणाकुलम, दिनांक 13 जन 1979
निदेश सं० एल० सी० 298/79-80—यतः मुझे, के०
नारायण मेनोन

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मध्येन सहायक आधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए ते प्रविष्ट है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय मीनचिल में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घटायित की जाई है और यह यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त भविनियम के मध्येन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बढ़े में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी उन पर परिभाषित भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम या घन्तरण घन्तरण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या इपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घन्तियों, घर्षणतः :—

- (1) श्री औमेक मत्तायरा (श्री इ० इम्मनुएल के लिये)
(अन्तरक)
(2) डॉ जोस कुट्टी
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपर्यन्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी घन्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त घन्तियों में से किसी घन्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्सद्धि किसी प्रथम घन्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अव होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23.30 cents of land with buildings in Sy. Nos. 17/1/2 and 16/17A/3 of Palai Municipality.

के० नारायण मेनोन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आजन रेज, एरणाकुलम

तारीखः 13-6-1979
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री औमेक मस्तायो

(अन्तर्गत)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) डॉ जोस कुट्टां

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 13 जून 1979

निदेश मं० एन० सी० 299/79-80—यतः मृशे, के० नारायण मेनोन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मीनचिन में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक से रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

23 सैन्ट भूमि बिल्डिंग समेत, एस० वाई नं० 17/1/2 जो पालाई नगरपालिका में स्थित है।

के० नारायण मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी
महायथ प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलमयतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—
9—146GI/79

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार
कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, एरणाकुलम कोन्चिन-16
एरणाकुलम, दिनांक 13 जून 1979

निदेश मं० एल० मी० 300/79-80—यतः मुझे के०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन समाप्ति प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित
है (ग्रोर इस से उपाकृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट प्रधिकारी के कायालिय मौनचिन्नल में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

24-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहर उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अथः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाप्त (1) के
अधीन निष्ठनिष्ठित अविकर्त्ता, जर्जरू—

(1) श्री श्रीतेक मत्तायी
(श्री इम्मानुवेल के लिए)

(अन्तरक)

(2) डा० जोम कुट्टी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्धियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

प्रब्लीफरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

35 सेन्ट भूमि एस०वाई० नं० 17/2/3 ग्रोर 17/1/2
जो पालाई नगरपालिका में स्थित है ।

के० नारायण मेनोन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979
मोहरः

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 13 जून, 1979

निदेश सं० एल० सी० 302/79-80—ग्रत: मुझे के०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, जो पालकाट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), अधीन निम्नलिखित अवियों, अर्थात्—

(1) (i) श्री वी० एन० नारायण स्वामी
(ii) मैसर्स लक्ष्मी एस्टेट (श्री वी० एन० नारायण स्वामी द्वारा)
(अन्तरक)

(2) मसर्स सी० पी० आदुम (श्री सी० पी० आदुम द्वारा)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्बोधनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

160 acres of coffee plants area at Muthala made, Palghat.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रारूप माई० टी० एन० एम०—

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश मं० ए० गी०-रेज II/कल०/1979-80—यतः
मुझे एस० मी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-10-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उन्होंना प्रतिक्रिया निम्नलिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त संपत्ति के लिए अन्य अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी माय या किसी छन या अन्य अधिनियमों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तर में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कामार जेहान शेकिया बेगम

(अन्तरक)

2. मै० इन्जार (इन्डिया) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 76, ब्लक नं० ई; नियू आलीपुर कलकत्ता प्रेमिसेस नं० 23-ए, डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता—जमीन का परिमाण 1के-2सीएच।

एस० मी० यादव
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता ।
54, गाँधी अहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी. एन. एस. —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

का वालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज-II/कल/1979-80—यतः मुझे
एस० सी० यादवआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिमकी सं० 23ए है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के वालिय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन, तारीख 5-10-78 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवधितयों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हमीना जेहान आजमिरी वेगम

(अन्तरक)

2. मैं० इन्तार (इन्डिया) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित हैं
वर्ती अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 76, ब्लाक नं० 'ई', न्यू आलिपुर, कलकत्ता
प्रेमिसेमन 23ए, डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता, जमिन का
परिमाण 1के-2सीएचएस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता
54, एफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहा :

प्रकृष्ट प्राइंटी•एन•एस•—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० सी० ३/रेज-II/कल/1979-80—यतः
मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-ग के मध्येन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23A है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एस्प्रुरेन्स में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 18, 10, 1978 (८-१०-७८) को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित
नहीं किया गया है।-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के मध्येन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री आनन्द जेहान सुराईया बेगम
4ए, पाम एवेन्यु, कलकत्ता-17

(अन्तरक)

2. मै० इनजार (इंडिया) लिमिटेड
160-सी, चितरन्जन एवेन्यु, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एव्हिकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही बयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्कृद्धी

प्लाट नं० 76 ब्लॉक नं० 'ई', नियू आलिपुर कलकत्ता
प्रेमिसेस नं० 23ए, डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता। जमीन
का परिमाण-1के 82सीएच

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता-II
54, रॉफी अहमद विद्वर्ड रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 21 अप्रैल 1979

निदेश सं० 467/ए०कु०रे०५५५/७९-८०/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 30 पा० है तथा जो कालीघाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6-10-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दुर्जेन्द्र नाथ गुप्त (2) श्रीमती चिन्ता गुप्त
 (3) श्री अनन्द्र नाथ गुप्त (4) श्रीमती सुभ्रा गुप्त (5) श्री जिशिर कुमार गुप्त (6) श्री ममर कुमार गुप्त (7) श्री शंकर गुप्त (8) श्री सचीन्द्र गुप्त (9) श्री सुहृत कुमार सेन
 (अन्तरक)

(2) श्री सौभेन्द्र नाथ सेन 128 बी० हरिश मुखाजी रोड, कलकत्ता
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

ममुजा दोतल्ला मकान गाथ 6 कट्टा जमीन जो 30ए० कालीघाट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है और जो दलील सं० 14841/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन,
 मक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III
 54, रफी अहमद किदवई रोड
 कलकत्ता-16

तारीख: 21-4-1979

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 27-4-1979

मिडेंश सं० 468/ए कु रे-III/79-80/कल०—अथः मुझे
भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो उडबार्न रोड कलकत्ता-1 में
स्थित है (और इसमें उडबार्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-10-1978 को
पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यहाँ पूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसूचणा के लिए अनुसूचित रूप से कठित नहीं
किया गया है—

(अ) अनुसूचणा से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुसूचिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचणा में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० गम्भीरा प्रदेश प्रा० निमि० 148
कटन स्ट्रीट, कलकत्ता
(ग्रन्तरक)

(2) मै० मालयलाय एपार्टमेंट प्रा० लिम० 3
उडबार्न रोड, कलकत्ता-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
मन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्वाक्षरी के पास सिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 18 कट्टा 16 छटाका 35 स्को० फुट जमीन साथ
उम पर बनाया मकान जो सं० 3, उडबार्न रोड,
कलकत्ता पर अब स्थित।

भास्कर सेन,
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफीअहमद किल्डवई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 27-4-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० --

(1) श्रीमति सुनीति बाला दाम 33/3/डी०, चेंटला
सेन्ट्रल रोड, कलकत्ता-27

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री कृष्णा बद्रोपाध्याय 9/बी०, मदनन्द रोड,
कलकत्ता-26
(अन्तरित)

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 7-5-1979

निर्देश सं० ५० सी०/रेज-III/कल०/१९—यतः मुझे, एस०
सी० यादव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परामृत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 400/365 है तथा जो पशुपति भट्टाचार्य रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार अलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थातः—

10—146GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है ।

प्रमुखस्त्री

पशुपति भट्टाचार्य रोड पर स्थित तीन कट्टा, 10 छठांक और पांच वर्गकुट जमीन, जिसका होलिङ नं० 400/365 है तथा जो मौजा मुमुदपुर थाना बेटसा में है ।

एस० सी० यादव,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
54, रफीअहमद किंदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीखः 7-5-1979

मोहर :

उक्त आई० दी० ए०० ए००-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8-5-1979

निदेश सं० ए० सी० 16/रेज-IV/कल०/1979-80—अतः
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ला कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० ख्रनिश्वर सं० 142 है तथा जो मैंना
रवुनाथपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण व्यूप से बर्जित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 18-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत में अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ते
वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त पन्दरा तिवित में वास्तविक रूप से कृयित नहीं
किया गया है :—

(5) अनुसूची में हुई हिसी प्राय की बाबा, उक्त अधिनियम
के धीन कर रेज के अन्तरक के दायित्य में कमः करने
में उससे अन्तर में मुविधा के लिए; १०८/१।

(ष) ऐसी किसी आय या हिसा वा या अन्य आस्तियों का;
जिसमें भारतीय गाय-वार अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिता
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, जिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री बरदा प्रमाद नस्तर, कार्ल-पद नस्कर दृष्टि
चन्द्र नस्तर, राम कान्ता नस्कर, मानिकचन्द्र
नस्तर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमोत्तम शुभला कानोडिया तथा श्री अनुप कानो-
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदंघ में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई
हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त पाद्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ऐजी रवुनाथपुर थाना राजारहाट, जिला 24, परगणा,
खतियान सं० 142, दाग सं० 210, 210/832, 211 जे०
एन० सं० 8 के अन्तर्गत 1 बीघा 6 बड़ा 14 छाँक जमीन
के संबंधु जैसे के 1978 का दलिल सं० 6034 में और पूर्ण
रूप से वरित है।

एस० के० दास गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

54, रक्षी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-5-1979

मोहर:

प्रक्षप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकत, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 11-5-1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज II/कल०/19—पतः मुझ,
एस० सी० यादवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 27/26 है तथा जो डायमण्ड हार्बर
रोड पर स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब
रजिस्ट्रार, अलीपुर मदर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-10-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें पारंपरीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः प्रध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन विभिन्नता व्यक्तियों, प्रथा :—

- (1) श्री देवी प्रमाद घोष 57 बी०, गरचा रोड,
बालीगंज, कलकत्ता।
(अन्तरक)
- (2) श्री भूपातीश राय चौधरी पी०-16/4/1, पूर्ण
दाम रोड, कलकत्ता-29
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किमी इन व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Land measuring 11-cottahs, 6-chittaks & 38-sq. ft. with
temporary structures being premises No. 27/26, Diamond
Harbour Road, Calcutta-34.

एस० सी० यादव,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज
54, रफीअहमद किल्डवई रोड, कलकत्ता-16
तारीख: 11-5-1979
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 मई 1979

निदेश सं० ए०सी० 6/रेजII/कल०/1979-80—यतः मुझे,
एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 8 बी० है तथा जो मोमिनपुर रोड, कलकत्ता-23 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदी में नभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इस किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुविधा के लिए:

यतः मत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुग्रह में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उप-धारा (1) के अनुसार निम्नलिखित अधिनियम, पर्यातः—

(1) श्री गविन्द लाल सरकार

(अन्तरक)

(2) श्री शेख मईन आखतार

(अन्तरिती)

(3) श्री उमीदाबादी और अदारस (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाय मिलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों आ, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 30-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस प्राप्ताव्रत में दिया गया है।

अनुसूची

Land measuring three & a half cottahs with two-storeyed brick built building being premises No. 8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.

एस० सी० यादव,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II,
54, रफीअहमद किल्डवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-5-79

मोहरः

प्रसूप प्राई० टी० एन० एम०—

प्रायकर ग्रंथितिवम्, 1961 (1961 का 43) की
वारा 269ए(1) के प्रधीन मुच्चना

(१) मै० अलक्येमन बैंक, नेवाल्याड़, एन० बी०
 (अन्तर्क)

(2) मैं जो दमास एण्ड कॉ (प्रा०) लि०
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायालिय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज II, कलकत्ता

কলকাতা, দিনাংক 14 মুষ্ট 1979

निवेश सं० ८० मी० ७/रेज /कल०/१९—यतः मुझे, एस०
सी० यादव

आवाहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रतिक है

और जिसकी सं० 8-6-1 है तथा जो श्रलीपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रांग इमारे उपावद्ध अनुभूची में और पर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ प्रैरिम, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कृति नहीं किया गया है :—

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के सिए रायंवाहिया करता है।

उस सम्बन्ध के पर्याप्त रूप सम्बन्ध में कोई भी मालिन :—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और अभी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में भिक्षा व्यक्ति द्वारा;

(क) इन सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पति में हितवद किसी प्रबंध व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्तम भी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों वेर पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात् 20-के में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उन प्रश्नामें दिया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की वापत, उसका प्रावृत्तिधर्म के प्रधोन कर देने के अन्तरक के बाहर में जर्दी करने या उसमें वाचन में सुविधा के लिए, और वहाँ

(१) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्तियों, को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुचिती द्वारा प्रकट मर्ही किया गया या या किया जाना चाहिए ता. छिपाने में लुभावा लिए;

अनुसंधी

Flat No. 32, premises No. 8/6/1, Alipore Road, Calcutta,
with Garage & Servant's Quarters.

एस० सी० यादव
सर्वम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, 54, रफीअहमद किलबाई रोड
कलकत्ता-16

अतः यह, २६७ प्रधिनियम की शारा २६७-ए के प्रस्तुतरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की शारा २६७-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृष्ट प्राई० ई० एन० एस०—

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० एस० सी० 8/रेंज/कल०/1979-80—यतः
मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ——— है तथा जो मौजा पश्चिम वरिष्ठा
पि० एस० वेहाला में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जेन्द्र साव रजिस्ट्रार आलिपुर, वेहाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-10-78

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

- (1) श्री अमलेश चौले, जालालपुर पि० एस० फलता,
24 परगताम (अन्तरक)
- (2) श्री मुकुन्द मोहन बानाजी 34-ए० जयनुदीन
मिस्ती लेन, कलकत्ता-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा पश्चिम वरिष्ठा पि० एस० वेहाला में अवस्थित
मकान है। जमीन का परिमाण .04 डेसिमल (.04 Dec.)

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 15-5-1979

मोहर:

प्र० अ० आ० टी० एन० एस०—

(1) श्री नन्दलाल श्रीमती, जगन्नाथ श्रीमती श्याम
मुन्दर श्रीमणी तथा नीलरत्न श्रीमणी
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 17/रेंज IV/कल०/1979-80—यतः मुझे
एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 146 है तथा जो थाना-बारासात,
जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बारासात के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की प्राचा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाए
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(2) श्री केदार नाथ मिह, काण्ठीनाथ मिह, शितल प्रमाद मिह
तथा श्रीमती पियारी मिह
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय सूचना द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना वी
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी पवित्र बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रिटबद्व विसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तौजी सं० 146, मौजा—वरबरिया थाना—बारासात
जिला—24 परगना में स्थित 3.55 एकड़ जमीन के सब
कुछ, जैसे के 1978 का दलिल सं० 2567 में और पूर्ण
रूप से वर्णित हैं।

एम० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किलवाह रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 18-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप माई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

विवेश सं० ए० सी० 18/रेज- /कल/1979-80—यतः
मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर प्रमत्ति, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तौजि सं० 146 है, तथा जो थाना बारासात,
जिला-24 परगना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बारासात में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 3-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभृति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
परदह प्रतिग्रह से अधिक है और अन्वरक (अन्वरकों) और
प्रभृतिया (प्रभृतियाँ) के बीच ऐसे प्रभृतरत्व के निए उप पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभृतरण लिखित में
वास्तविक रूप ने नहीं किया गया है :—

(क) प्रभृतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रभृति-
नियम के अधीन भर देने के अन्वरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
भीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक प्रत्यक्षित द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिति
में सुविधा के लिए ;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुच्छेद
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्दनाल श्रीमती, जगन्नाथ श्रीमती, एयाम मुद्रक
श्रीमती, नील रत्न श्रीमती।

(अन्तरक)

2. श्री केदारनाथ मिह, काशीनाथ मिह, शीतल प्रमाद मिह,
श्रीमती पियारी मिह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाव्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थाना बारासात, जिला 24 परगना, भौजा बरबरिया,
तौजि सं० 146 में स्थित 3, 52 एकड़ जमीन के सब कुछ, जैसे
कि 1978 का इलिल सं० 5774 में और पूर्ण रूप से वर्णित
है।

एस० के० दास गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज- कलकत्ता।

तारीखः 18-5-1979
मोहरः

प्ररूप आई० ठी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 19/रेंज-IV/कल०/1979 80--यसः
मुझे, एस० के० दाम गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269व के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० पि०-175 है तथा जो ब्लक सि, बागुर, एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीफर्टा प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से तुर्हि किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन व धन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)

अधीन अर्थात् :—

11-146 GI/79

1. श्री प्रभात कुमार घोष

(अन्तरक)

2. श्री दयामय बनर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्राधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पि० 175, ब्लाक सी०, बागुर एवेन्यू, कलकत्ता का 3 कट्टा, 8 छांक, 3 स्को० फिट जमीन साथ उम पर स्थित मकान का मब कुछ जैसे कि 1978 का दलिल सं० 4792 में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दाम गुप्ता
सकारा प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक : 18-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एम०----

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा

269४ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० ए० मी० 20/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः,
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269४ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी होल्डिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड, बाना
कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रु० के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत सं प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबा उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) देशी किसी पाय या निसी वा या इन्य आमित्या
को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269४ के अनुसरण में,
में उक्त प्रधिनियम की धारा 269४ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यार्थी, अर्थात् :—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

2. श्री अमरनाथ भट्टाचार्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी विवेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या तस्वीरधी अवित्यार्थों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यार्थों में से
किसी अवित्यार्थ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनबद
किसी अन्य अवित्यार्थ द्वारा प्रधारस्ताकरण के पास
लिखित में किए जा पड़ेंगे।

प्रब्लॉकरण :—इसमें प्रयुक्त अव्याप्ति और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द सड़क याना
कोतवाली, जिला नदिया का 0.17 एकड़ जमीन साथ मकान
का अविमाजित फूँहिस्ता, जैसे कि 1978 का दलिल सं०
9592 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

मकान प्राधिकारी

सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रकृत प्राईंटी एन्सी—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं १० सी० २।/रेंज-IV/कल०/१९७९-८०—यतः,
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रधिक है

और जिसकी होलिङ सं १७ है तथा जो मनमोहन घोष रोड,
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से हुई किसी आरा की बारा,]उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आरा की बारा, कि सी धन या अन्य धार्याओं
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्जी।

(अन्तरिती)

2. श्री विश्वनाथ भट्टाचार्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश समाप्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरध्य अवधियों पर
मूच्चमा की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वेंडोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

होलिङ सं १७, मनमोहन घोष रोड, मौजा ९४, गोविन्द
मङ्क, थाना, कोतवाली, जिला नदिया का ०.१७ एकड़ जमीन
साथ मकान का अधिभाजित १/६ अंश, जैसे कि १९७८ का
दलिल सं ९५९३ में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
सकम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-१९

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रलूब माई० टी० एव० एस०—————

आवहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदृश्यक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 22/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः

मुझे, एम० के० दाम गुप्ता,

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मनमोहन घोष रोड, धाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उगबद्ध अनुभूति में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के निए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नियमानुसार अनुचित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से ही किसी भाव की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अधीनत :—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्जी

(अन्तरक)

2. श्री मती सुजाता भट्टाचार्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होल्डिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द सड़क, धानी कोतवाली, जिला नदिया, का 0.17 एकड़ जमीन का अविभाजित 1/6 अंश जैसे कि 1978 का दलिल सं० 9594 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता
सकाम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 22-5-1979

मोहर।

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री अमरनाथ भट्टाचार्जी

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

अर्जन रेंज, कलकत्ता

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी होलिङ म० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड, धाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आप या हिसी धन या अन्य प्राप्ति यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

होलिङ स० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा १४, गोविन्द मड़क, धाना कोतवाली जिला नदिया, का ०.१७ एकड़ जमीन साथ मकान का अविभाजित १/६ अंश के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल संलग्न ४२.४६ मैं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

एस० के० दासगुप्ता
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

महत: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसर वह, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश सं० ८० सी० 24/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः;
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी होलिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड,
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 20-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी धारा की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कभी छरने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, उपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्जी (अन्तरक)

2. श्रीमती छाया भट्टाचार्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त द्वारा
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त द्वारा सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होलिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द
सड़क, थाना कोतवाली, जिला नदिया का 0.17 एकड़ जमीन के
साथ मकान के अधिभाजित 1/6 अंश के सब कुछ जैसे कि 1978
का दलिल सं० 4247 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख 22-5-1979

मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मेरु उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1)
अन्नोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्द्धतः—

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० एस०आई० 496/टी०आर०-448/सी०-404/
कल०१/७८-७९—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो मेरिडिंग स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बद्धते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विवाजाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-वा के प्रत्यसर में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्तिः—

1. (1) श्री प्रेम कुमार भाटिया
- (2) ओम प्रकाश भाटिया
- (3) प्रत्युम भाटिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता चौपड़ा
न्यू इस्टर्न मटर गोराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिनी करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के पंचांश में कोई भी पार्श्वः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम अविक्त द्वारा प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—समें प्रयुक्त गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यंत हांगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 12 छटांक 7 स्का० फूट जमीन सम्पत्ति जो 3 मेरिडिंग स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ, एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I-4857 दिनांक 6-10-1978।

आई० वी० एस० जुनेजा
सन्तम प्राधिकारी
महावक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, कलकत्ता

तारीख 22-5-1979

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 25/रेंज-IV, /कल०/1979-80—यतः
मुझे एस० के० दामगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० होल्डी सं० 17 है, तथा जो मनमोहन धोष रोड,
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपावन्द
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (अमरकों) और अन्तरिती
(प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित चौथे से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर/या

(ख) ऐसो किसी आद या किसी धन या अन्य सामिलियों को
जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना सहित, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रम-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजली भट्टाचार्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्ष के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्ष में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होल्डी सं० 17, मनमोहन धोष रोड, मौजा 94, गोविंद
मड़क, थाना कोतवाली, जिला नदिया, का 0.17 एकड़ जमीन
साथ में मकान का सब कुछ जैसे कं० 1978 का दलिल सं०
4248 में और पूर्णस्वप्न से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफीअहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्र० प्र० प्रा० ई० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई, 1979

निर्देश सं० 474/एकृ-III/79-80/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि श्याम सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 3 बि० तिनतला पर है तथा जो
33 ड०, राजेन्द्र रोड कलकत्ता में स्थित है (श्याम इसमें उपादान
अनुसूची में और जो पूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख 20-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है, और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक
अपेक्षा के कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुसरके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1. अनामिका विहारीं प्रा० लिमिटेड

20 गंगेशचन्द्र एमिन्यु कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंह श्रेवाल अमरजीत सिंह श्रेवाल

33 ड० राजेन्द्र रोड कलकत्ता

(अन्तर्भुक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

समुच्चा प्लाट सं० 3 बि० तिनतला पर जो पौर सं० 33 ड०
में राजेन्द्र रोड कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अपेक्षा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

12 —146GI/79

तारीख 25-5-1979

मोहरः

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून, 1979

निर्देश सं० ४० सी० २७/ज०-IV/कर०/१९७९-८०—यतः
मुझे एस० के० दाम गृप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सदाम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 34 है, तथा जो राम बिहारी एवेन्यु, थाना टालिगंज, कलकत्ता में स्थित है (यीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1978 की।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक ते दुई छिसी पाँत की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिसी में मुविगा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. निम्नलिखित तालिका के अनुमार।

- (1) अमल चरण मुख्यर्जी
- (2) निलकान्त मुख्यर्जी
- (3) श्रीकान्त मुख्यर्जी
- (4) श्रीमती पालताला मुख्यर्जी

- (5) तुलसीदास मुख्यर्जी
- (6) प्रदीप कुमार मुख्यर्जी
- (7) दुग्धदाम मुख्यर्जी
- (8) देवदाम मुख्यर्जी
- (9) दीपदाम मुख्यर्जी
- (10) हरिदाम मुख्यर्जी
- (11) श्रद्धय मुख्यर्जी
- (12) मिलि मुख्यर्जी
- (13) श्रीमती रमाराणी मुख्यर्जी
- (14) पूर्णिमा मुख्यर्जी
- (15) श्रीमती ज्योत्सना मुख्यर्जी
- (16) श्रीमती आथेसा बनर्जी
- (17) श्रीमती चिन्मयी देवी
- (18) श्री प्रमान कु० मुख्यर्जी
- (19) जर्नलि
- (20) श्रीमती फलप्रा बनर्जी
- (21) दिग्म्बर, बनर्जी
- (22) प्रतिप बनर्जी

(अन्तरक)

2. मसर्म डि० एन० कन्टूकशन्म एण्ड इन्वेस्टमेन्ट (प्रा०)
लि०

(अत्तिरिती)

3. श्री आसित बनर्जी और शीतला तला अधेलेटिक क्लब
तालिका(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34. गसबिहारी एवेन्यु, थाना टालिगंज, कलकत्ता का 8 कट्टा 94 छांक जमीन साथ मकान का अविभाजित आधा अंश के सब कुछ जैसे कि 1978 वा दिलन सं० 1007 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एस० के० दाम गृप्ता

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख 5-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 28/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः

मुझे एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 34 है तथा जो राम बिहारी एवंन्य, थाना
टालिंगंज, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः :—

1. (1) अमल चरण मुखर्जी
- (2) निलकाश मुखर्जी
- (3) श्रीकोल मुखर्जी
- (4) श्रीमती पालबाला मुखर्जी
- (5) तुलसीदाम मुखर्जी
- (6) प्रदीप कुमार मुखर्जी

- (7) दुर्गादाम मुखर्जी
- (8) दबदास मुखर्जी
- (9) दबीज दाम मुखर्जी
- (10) हरिदाम मुखर्जी
- (11) अक्षय मुखर्जी
- (12) मिलि मुखर्जी
- (13) श्रीमती रमाराणी मुखर्जी
- (14) पूर्ण मा मुखर्जी
- (15) श्रीमती ज्योत्स्ना मुखर्जी
- (16) श्रीमती ग्रायमा बनर्जी
- (17) श्रीमती चिन्मथी देबी
- (18) श्री प्रशान्त कुमार मुखर्जी
- (19) जर्नल
- (20) श्रीमती कल्पना चटर्जी
- (21) दिग्म्बर बनर्जी
- (22) प्रतिन बनर्जी

(अन्तरक)

2. श्री नृपेन्द्र कृष्ण रामी तथा श्रीमती प्रतिमा राय
(अन्तरिती)

3. श्री अमित बनर्जी तथा श्रीनलातना
अर्थैलैटिक ब्लाब

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में गम्पति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34. रामबिहारी एवंन्य, थाना टालिंगंज, कलकत्ता में
8 कट्टा, 14 छठांक जमीन, माथ मरान का अविभाजित आधी
प्रांश के सब कुछ जैसे कि 1978 का दिनांक सं० 1006 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख : 5-6-1979

गोपनीय :

प्रकल्प आई० टी० एव० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश मं० एम० आर० एम०/10/78-79—यतः, मूल्य, रवन्द्र कुमार पठानियाँ, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के प्रधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० VI-3365, नौहरिया बाजार, नौहरिया गेट है, तथा जो मिरसा में स्थित है] (ओर इससे उपागद्ध अनुसुचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरसा में रजिस्ट्रोफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को घारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपचारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज, रोहतक

- (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री ओंकार सिंह पुत्र श्री बूदा सिंह निवासी मिरसा। (अन्तरक)
2. श्री राम तीर्थ पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी मिरसा नं० VI-3365, नौहरिया बाजार, नौहरिया गेट, मिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षिया के लिए अवधि द्वारा;
(ख) इस मूल्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दो मंजिला मिरसा नं० VI-3365 महित 2 दुकानें जोकि नौहरिया बाजार नौहरिया गेट मिरसा में स्थित हैं तथा जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता मिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3938 तिथि 24-10-1978 पर दर्ज है।

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

रवीन्द्र कुमार पठानियाँ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th June 1979

No. A.32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Controller (D.P.) in the office of Union Public Service Commission for the period from 5.6.79 to 31.8.79 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM,
Deputy Secretary,
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri J. L. Kapur.
2. Kumari Santosh Handa.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier.

The 5th June 1979

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office (R&S) in the Commission's office for period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

S. BAI ACHANDRAN,
Under Secretary,
for Secretary,
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th June 1979

No. M-5/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri M. G. Katre, IPS (1952-Maharashtra), presently Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 5.6.79 and upto 31.5.1980.

The 21st June 1979

No. V-2/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri V. R. Lakshminarayanan, IPS (1951 : Tamil Nadu), presently Joint Director in the Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, as Additional Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 11th June, 1979 and until further orders.

HERO A. SHALANEY,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MIL.

Hoshangabad, the 13th June 1979

No. P.I. No. PD/6/2535.—Shri C. P. Bhatia Foreman (P) is promoted on an *ad hoc* basis w.e.f. 8-5-79 (F.N.) to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 *vice* Shri M. Padmanabhan, A.W.M. proceeding on leave for 31 days from 7-5-79 to 6-6-79. His pay has been fixed @ Rs. 880/- P.M. under F.R. 22(e).

S. R. PATHAK,
General Manager.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 2nd July 1979

No. B(51)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Madhukar Bayaji Bobade, Technical Officer (PI) to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Govt. of India Text Books Press, Chandigarh, with effect from the forenoon of 12th June, 1979, until further orders.

No. R(22)-AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Gulshan Rai Rakheja, Technical Officer (PL), as Deputy Manager (PL), Govt. of India Photolitho Press, Faridabad, with effect from the forenoon of 23rd May, 1979 until further orders.

P. B. KULKARNI
Joint Director (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

KERALA

Trivandrum-695001, the 11th June 1979

No. Estt./Enit/VI/10-3.—Shri N. P. Natrajan, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the AN of 31st May, 1979.

P. G. N. NAMPOOTHIRI,
Accountant General.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICE

New Delhi, the 20th June 1979

No. 1356/A-Admn/130/79.—On attaining the age of superannuation Shri S. V. Iagannathan, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 31-5-1979 (A.N.).

No. 1357/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri R. B. L. Saxena, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Director of Audit, Defence Services, New Delhi, with effect from 15-6-79 (F.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK,
Joint Director of Audit.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 12th June 1979

No. 34/G/79.—On attaining the age of superannuation the under noted officers retired from service with effect from the date shown against each :—

Sl. Name and Designation No.	Date of retirement
1. Shri B. K. Ghosh, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st August, 1976 (AN)
2. Shri Ran Singh, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st January, 1978 (AN)
3. Shri K. Ramanathan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st May, 1978 (AN)
4. Shri K. K. Bhattacharjee, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	30th June, 1978 (AN)
5. Shri S. Mukherjee, Permit. Manager	31st July, 1978 (AN)

Sl. No.	Name and Designation	Date of retirement	Sl. No. Name and Designation	Date of retirement
6.	Shri J. S. Siddu, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st July, 1978 (AN)	29. Shri G. S. Saini, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	28th February, 1979 (AN)
7.	Shri N. B. Sarkar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st July, 1978 (AN)	30. Shri S. K. Kar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	28th February, 1979 (AN)
8.	Shri S. N. Roy Choudhury, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	30th September, 1978 (AN)	No. 35/G/79—Shri R.C. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman) voluntarily retired from service w.e.f. 31-10-1978 (AN)	
9.	Shri S. P. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Staff Asstt.)	30th September, 1978 (AN)	No. 36/G/79—Shri S. N. Gupta, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permit. Asstt. Manager) after re-employment of service for one year w.e.f. 21-1-77 retired from service w.e.f. 31-1-78 (AN)	
10.	Shri K. P. Guha Roy, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	30th September, 1978 (AN)	No. 37/G/79—Shri K. D. Malhotra, Permit. Deputy General Manager after re-employment of service for six months w.e.f. 1-9-78 retired from service w.e.f. 28-2-79 (AN)	
11.	Shri S. R. Chakraborty, Offg. Manager (Subst. & Permit. Dy. Manager)	30th September, 1978 (AN)	V. K. MEHTA ARG/ESTT, for Director General Ordnance Factories	
12.	Shri C. A. Vaz, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st October, 1978 (AN)		
13.	Shri H. L. Sharma, Offg. Manager (Subs. & Permit. Deputy Manager)	31st October, 1978 (AN)		
14.	Shri B. K. Pillai, Offg. Dy. Manager (Subst. & Perm. Asstt. Manager)	31st October, 1978 (AN)		
15.	Shri T. M. Sundaresan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Staff Officer)	30th November, 1978(AN)		
16.	Shri K. R. G. Nair, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	30th November, 1978 (AN)		
17.	Shri T. D. Mallo, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	30th November, 1978(AN)		
18.	Shri B. V. Ghambade, Offg. Asstt. Manager, (Subst. & Permit. Shareholder)	31st December, 1978 (AN)		
19.	Shri P. C. Shingla, Offg. ADGOF Gr. I (Subst. & Permit. ADGOF. Gr. II)	31st December, 1978 (AN)		
20.	Shri G. N. Banerjee, Offg. Manager (Subst. & Permit. Dy. Manager).	31st December, 1978 (AN)		
21.	Shri B. P. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st December 1978 (AN)		
22.	Shri R. C. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st December, 1978 (AN)		
23.	Shri G. C. Banerjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st December, 1978(AN)		
24.	Shri D. N. Dutta, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permit. Asstt. Manager)	31st December, 1978 (AN)		
25.	Shri T. S. Kohli Offg. Dy. Manager (Subst. & Permit. Asstt. Manager)	31 December, 1978 (AN)		
26.	Shri P. K. Ghosh, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st December, 1978 (AN)		
27.	Shri J. Chakraborty, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permit. Foreman)	31st January, 1979 (AN)		
28.	Shri K. C. Paul, Permit. Manager	31st January, 1979 (AN)		

Calcutta, the 15th June 1979

No. 30/79/G.—The President is pleased to grant extension
in service of six months to Shri S. S. Basu, Dy. D.G.O.F./OEF
w.e.f. 21.3.79.V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

Simla-171004, the June 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index
Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased
by two points to reach 339 (three hundred and thirty nine)
during the month of May, 1979. Converted to base 1949=100
the index for the month of May, 1979 works out to 412
(four hundred and twelve).TRIBHUAN SINGH,
Deputy Director
Labour BureauMINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

New Delhi, the 18th June 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)No. 6/396/56-Admn(G)/4499.—On attaining the age of
superannuation Shri B. V. Sabnis, Controller of Imports and
Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Im-
ports and Exports, Bombay relinquished charge of the post on
the afternoon of the 31st May, 1979.RAJINDER SINGH,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports,
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 21st June 1979

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri K. P. Das, Assistant Director (Exports) Group 'B' as Assistant Director (Economic) Group 'A' (Gazetted) in the Scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- in an *ad-hoc* officiating capacity in this office w.e.f. 14.5.79 (F/N) to 30-6-79 (A/N) vice Shri D. N. Sinha proceeded on leave.

T. S. CHAKRABARTI,
Executive Officer.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 21st May 1979

No. 12(667)/70-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Economist in the Delhi Development Authority, Shri P. V. Thomas relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in the Small Industry Development Organisation on the afternoon of 30th April, 1979.

The 23rd May 1979

No. 12(34)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri J. N. Shivedasani, Director (Gr. II) Mechanical) Small Industries Service Institute, Nagpur as Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Nagpur on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 27th May 1979

No. 12(314)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. B. Jakheta, Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Indore to officiate as Director (Gr. I) (Mechanical) on *ad-hoc* basis in Small Industries Service Institute, Indore with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 28th May 1979

No. 12(444)/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Chadha, Asstt. (Gr. I) (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) to officiate as Deputy Director (IMT) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) on *ad-hoc* basis for the period from 28th April, 1979 to 31st July, 1979.

No. A-19018/227/75-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation as Expert to the Small Industries Development Organisation, Tanzania, for two years, Shri M. D. Padnekar, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the 21st December, 1978 (afternoon).

The 30th May 1979

No. 12(358)/62-Admn.(G).—Consequent upon his posting in the Planning Commission as Senior Research Officer, Shri Bhagwat Dayal, a Gr. III Officer of I.E.S. relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 9th May, 1979.

No. A-19018/420/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bhardwaj, a Grade III Officer of the I.E.S. and Deputy Director (Planning and Research) in the All India Handicrafts Board, New Delhi, as Deputy Director (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 3rd May, 1979, until further orders.

H. L. JUNEJA,
Deputy Director (Admn.)

New Delhi-110011, the 14th June 1979

No. A-19018(230)/75-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, is pleased to appoint Shri J. R. Malhotra, permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on an *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 10th May, 1979.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 19th June 1979

No. 14/4/79-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I. K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into Tajmahal, Agra on the following days on account of celebrations of annual 'URS' of Emperor Shahjahan :—

- (1) 23-6-79 from 2.00 P.M. to Midnight.
- (2) 24-6-79 Full day (i.e. from 7.00 A.M. to 5.00 P.M.)

K. V. SOUNDARA RAJAN,
Director (Monuments),
for Director-General.

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

New Delhi, the 12th June 1979

No. 3-48/79-Estt.(I).—The *adhoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of Superintendent (Grade I) are further continued beyond 28.2.1979 upto 31.7.79.

B. N. CHADHA,
Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd June 1979

No. PPED/3(262)/78-Adm./8944.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. O. Ouseph, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 30, 1979 to the afternoon of June 2, 1979 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

The 6th June 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm. 9140.—Reference is invited to this Division's notification of even number dated April 27, 1979 regarding continuance of officiating appointment of Shri P. Vasu, a permanent UDC of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer upto the afternoon of May 5, 1979. Shri Vasu has been permitted to continue to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity upto the afternoon of May 25, 1979.

The 12th June 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./9337.—In continuation of this Division's notification of even number dated April 17, 1979, Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 19, 1979 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 25, 1979.

B. V. THATTE,
Administrative Officer.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400001, the 5th May 1979

No. Ref. DPS/23/1/79/Est./2586.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS/23/1/79/Est./10327 dated April 9, 1979 the Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri K. Raveendran, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate, with effect from the afternoon of April 1, 1979 to the afternoon of April 30, 1979.

The 20th June 1979

No. Ref. DPS/23/1/79/Est./16540.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 5, 1979 the Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri K. Raveendran, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad hoc* basis for a further period upto the afternoon of June 6, 1979.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer.

**HEAVY WATER PROJECT
Bombay-400 008, the 18th June 1979**

No. HWPs/Ett/1/K-48/3054.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Shrikrishna Shihari Khanolkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Bombay Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office from May 9, 1979 (FN) to June 8, 1979 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer, in Heavy Water Projects (Central Office).

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 2nd Jun., 1979

No. A. 32023/1/77-R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis to the posts mentioned against each with effect from the forenoon of May 21, 1979 to June 20, 1979.

Sl. No.	Name and Designation	Substantive post	Promoted to officiate as
1.	Shri R. Rajamani Asstt. Accts. Officer	Upper Division Clerk, Bhabha Atomic Research Centre	Accounts Officer-II
2.	Shri K. Narayana-murthy Asstt. Accountant	Asst. Accountant RRC	Asst. Accounts Officer

P.V. SOMANATHAN
Chief Administrative Officer
for Project Director

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 18th June 1979

No. E(1)03800.—On attaining the age of superannuation Shri B. N. Dhankumaran, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

No. E(1)03851.—On attaining the age of superannuation Shri B. B. Sen, Meteorologist Grade II, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

No. E(1)03871.—On attaining the age of superannuation Shri Amin Singh, Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

G. R. GUPTA, Director
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th June 1979

No. A.32013/9. 78-FC.—The President is pleased to appoint Shri H. A. Shetty, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bangalore to the grade of Technical Officer on *ad-hoc* basis w.e.f. 21-5-79 (FN) for a period of six months and to post him in the office of the Director, Radio Const. and Development Units, New Delhi.

The 22nd June, 1979

No. A-38012/1/79-EC.—The undermentioned two Assistant Technical Officers relinquished charge of Office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri I. M. Sen	Aero. Comm. Stn. Port Blair	30-9-78 (AN)
2.	Shri C. P. Apte	Aero Comm. Stn. Bombay	31-5-79 (AN)

No. A. 32013/7/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 29-12-78, 16-1-79 and 14-2-79, the President is pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of the following four Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer beyond the dates mentioned against each for a further period upto 31-8-79 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier:—

S. No.	Name	Station of posting	Period of extension
S/Shri			
1.	P.S. Mullick	Regional Controller of Communication Calcutta.	Beyond 20-5-79
2.	Vijay Panwar	Aero. Comm. Stn. Palam.	Beyond 20-5-79
3.	K. K. Narayan	Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 1-6-79
4.	A. K. Bansal	Director, Radio: Const. & Dev. Units. New Delhi.	Beyond 5-7-79

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd June 1979

No. A-12026/1/79-ES.—The President is pleased to appoint on the basis of transfer on deputation of Flight Lt. A. S. Bhardwaj of the Indian Air Force to the grade of Co-pilot in the Civil Aviation Department with effect from 4-6-1979 (Forenoon) until further orders.

No. A-40012/1/79-ES.—Shri L. C. Ajmani, Assistant Aircraft Inspector in the Office of the Controller of Aeronautical Inspection Hyderabad retired from Government Service under FR 56(J) on the forenoon of 6th June, 1979.

S. L. KHANPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 13th June 1979

No. A-32014/1/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the dates mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

S. No.	Name	Date
1.	Shri M. S. Rawat	17-5-79
2.	Shri N. C. Edborc	14-5-79
3.	Shri A. C. Jassal	21-5-79
4.	Shri D. K. Jain	14-5-79
5.	Shri R. Sampat	25-5-79
6.	Shri Gurmukh Singh II	14-5-79
7.	Shri B. R. Samtani	21-5-79
8.	Shri Shyamel Sen Gupta	14-5-79
9.	Shri B.B. Das	14-5-79

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 21st June 1979

No. 1/460/79-Est.—Shri P. Mukherjee, who was appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in Calcutta Branch on ad-hoc basis, with effect from the 3rd April, 1978, has been reverted to his original post of Technical Assistant in Calcutta Branch, with effect from the afternoon of the 30th April, 1979.

SCHEDULE

Name of post	Number of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non selection post	Age for direct recruits
1	2	3	4	5	6
1. Senior Assistant (Architectural Department)	1	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 700-30-760-35-900.	Selection	Not applicable
2. Assistant (Architectural Department) Selection Grade.	17	General Central Service Group 'C' Non-Industrial	Rs. 550-20-650-25-750.	Selection	Not applicable
3. Assistant (Architectural Department) Grade I	76	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-1560-20-700.	Non Selection	Not applicable

No. 1/477/79-EST.—Shri Arun Iot Malhotra, Temporary Assistant Engineer, D.T.S., Poona, was permitted to resign his appointment with effect from the forenoon of the 9th March, 1979.

P. K. G. NAYAR, Dir. (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 20th June 1979

No. 33/9/76-ECI.X.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Central Public Works Department (Central Office) Assistants (Architectural Department) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Application.*—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to the rules.

3. *Number, classification and scale of pay.*—The number of posts, their classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. *Method of recruitment, age limit, qualifications etc.*—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. *Disqualifications.*—No person.—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the Personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

6. *Power to relax.*—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. *Saving.*—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

S. RANGANATHAN, Under Secy.

1	2	3	4	5	6
4. Assistant (Architectural Department) Grade. II	81	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Not applicable	Between 18 and 28 years. The upper age relaxable upto 35 years in the case of Government servants. (The crucial date for determining the age limit will in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Educational and other qualifications required for direct recruitments.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation.	Method of recruitment whether by direct recruitment, by promotion or by deputation or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer grades from which promotion deputation transfer are to be made.
--	--	----------------------	--	--

(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	1. Assistant (Architectural Department) (Selection Grade) with 5 (five) years' regular service in the grade.
2. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	Assistant (Architectural Department) Grade I with 5 years' regular service in the grade and Assistant Grade. II with 8 years' regular service in the grade.
3. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	Assistant Grade II (Architectural Department) (Ordinary Grade) (Rs. 330-560) with 5 (five) years' regular service in the grade.
4. Intermediate in Architecture (Recognised Course).	Not applicable	2 years	Direct Recruitment.	Not applicable.

If a D.P.C. exists what is its composition.

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making the recruitment.

(12)	(13)
1. Group 'C' DPC consists of :— 1. Chief Architect 2. Director of Administration 3. Senior Architect	—Chairman —Member —Member
2. 1. Chief Architect 2. Director of Administration 3. Under Secretary or officer of equivalent rank from the Min. of Works & Housing	—Chairman —Member —Member
3. 1 Chief Architect 2. Director of Administration. 3. Under Secretary or officer of equivalent rank from the Min. of Works & Housing	—Chairman —Member —Member
4. 1 Senior Architect 2. Deputy Director of Administration 3. Architect 4. One officer belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes of the rank of any one of the above three officers will be associated with the DPC	Not applicable Not applicable Not applicable Not applicable

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Escorts Farms Hatcheries Private Limited*

New Delhi, the 22nd June 1979

No. 5989/9444.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Escorts Farms Hatcheries Private Limited, unless cause is shewn to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Kapurthala Property Chit Fund & Finance Pvt. Ltd.*

Jullundur, the 26th June 1979

No. 5/Stat/560/3001/2423.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kapurthala Property Chit Fund & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Tideman & Co. (India) Private Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 3709/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Tideman & Co. (India) Private Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 26-7-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Joshi Trading Co. Pvt. Ltd.*

Bombay, the 20th June 1979

No. 8821/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Joshi Trading Co. Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 2-10-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Eldee Wire Ropes Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 12553/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Eldee Wire Ropes Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 12-7-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Emjay Finance Pvt. Ltd.*

No. 13254/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Emjay Finance Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 5-10-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ambika Glass Works Pvt. Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 14026/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Ambika Glass Works Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 27-9-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Display & Decorations Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 12266/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Display & Decorations Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Jaspal Finance & Chit Savings Pvt. Ltd.*

Bombay, the 24th May 1979

No. 15098/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jaspal Finance & Chit Savings Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA
Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELATE TRIBUNAL
Bombay-400 020, the 29th May 1979

No. F.48-Ad(AT)/79.—Shri B. Chakraborty, Personal Assistant to Member, Income-tax Appellate Tribunal is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta in a temporary capacity with effect from 21-5-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders. He will be on probation for two years with effect from 21-5-1979 (Forenoon).

No. F.48-Ad(AT)/79.—1. Shri D. S. Sharma, District Probation Officer, Meerut, Government of U.P., is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur, in a temporary capacity with effect from 10-5-1979 (Forenoon) in the scale of Rs. 650-30-

740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 10th May, 1979 (Forenoon).

2. No. F.48-Ad(AT)/79.—On the appointment of Shri D. S. Sharma (nominee of Union Public Service Commission for the post of Assistant Registrar) Shri R. K. Ghosh, who was officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity with effect from 16-8-1978 is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, with effect from 10-5-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR, President
Income-tax Appellate Tribunal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1979

Ref. No. SRS/10/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. VI-3365, Nauhria Bazar, Nauhria Gate situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manjeet Singh s/o
Shri Onkar Singh s/o
Shri Buta Singh.
R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Ram Tirath s/o
Shri Pyare Lal,
R/o House No. VI-3365, Nauhria Bazar,
Nauhria Gate, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storey Property No. VI-3365 alongwith two shops situated in Nauhria Bazar, Nauhria Gate, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Sirsa at serial No. 3938 dated 24-10-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Lal Chand Ahluwalia son of
Shri Mehar Chand Ahluwalia r/o
50-B Swami Nagar, New Delhi.
(Transferor)
2. Shri Rajiv Sahai Endlaw s/o Shri Ishwar Sahai
Advocate r/o House No. 1,
Bazar Lane, New Delhi. (Bengali Market).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ.I/SR-III/10-1978/753.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 Block No. 205-C situated at Bazar Lane, Bengali Mkt, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey House No. 1 Block No. 205-C measuring 212.5 sq. yds. situated at Bazar Lane, Bengali Market, New Delhi as specified in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I.
414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/687.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. L-13 situated at Kalkaji, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 5-10-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Dhawan son of
Shri Nand Lal Dhawan
c/o Shri O. P. Khanna, A-73 Pandara Road, New
Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Dr. Chitranjan Malik son of
late Shri Ashutosh Malik
r/o I-1648 Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The plot of land bearing No. L-13 Kalkaji, New Delhi
measuring 469 sq. yds. situated in the residential colony of
Kalkaji and bounded as under :—

North—Plot No. L-14, South—Plot No. I-12
East—Lane, West—Road.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAIF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/727.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
New Delhi on 19-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Ujjal Singh son of
Shri Kartar Singh
Resident of W-96 Greater Kailash-II,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited
through its Director Mr. O. P. Garg,
Resident of C-46 N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.
- 2. M/s. Premashram Properties Private Limited
through its Director Shri O. P. Garg.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 sq. yards in a free hold plot
of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II, New
Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I
Delhi-New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/725.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereeto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 19-10-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—146GI/79

(1) Shri Manjit Singh Khurana son of
Shri Kartar Singh,
Resident of : W-96 Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited
through its Director Mr. O. P. Garg,
Resident of : C-46 N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.

2. M/s. Premashram Properties Private Limited,
through its Director Shri O. P. Garg,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 Sq. yards in a free hold plot
of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II New
Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/726.—Whereas I,
 MISS ANJANI OZA
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
 New Delhi on 19-10-1978,
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property, and I
 have reasons to believe that the fair market value of
 the property as aforesaid exceeds the apparent con-
 sideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh Khurana son of
 Shri Kartar Singh,
 Resident of W-96 Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited
 through its Director.

2. M/s. Premashram Properties Private Limited,
 through its Director Shri O. P. Garg,
 C-46 N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 Sq. yards in a free hold plot
 of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II New
 Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range J.
 Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Man Mohan Kakar son of
Lala Kishori Lal Kakar
of M/s. Ram Saran Dass & Bros.,
5-B Atma Ram House, 1 Tolstoy Marg, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/708.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. D-17 Kalindi Colony, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 14-10-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Shri Tirath Ram son of Shri Pishori Lal
Resident of 66 Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of land No. D-17 measuring 800 Sq. yards situated
at Kalindi colony, New Delhi as specified in the instrument
of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Maheshwar Dayal son of
Shri Din Dayal
Resident of 20 Anand Lok,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun Kumar Goneka son of
Shri S. N. Goneka
Resident of 20 Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/723.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 Anand Lok situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 19-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1½ storeyed built house No. 20 Anand Lok, measuring 800 Sq. yards situated at Anand Lok New Delhi as specified in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Ram Narain Bhatia s/o Shri Ram Ditta Mal
r/o CA/2 Tagore Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Narain Singh s/o Shri Moti Singh
r/o E-141 Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ. I/S.R. III/12-78/896.—Whereas I,

MISS ANJANI OZA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15 Block No. M situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial free hold plot No. M-15 measuring 195 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./Acq. I/SR-III/12-1978/893.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-30 (shop) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 21-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tarlok Singh s/o
Shri Gurbax Singh r/o M-27,
Greater Kailash-I Market, New Delhi.
(Transferor)
2. Smt. Ishar Kaur d/o Jodh Singh
r/o D-16 Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land bearing No. M-30 measuring 196.5 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi detailed in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Deli

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ. I/S.R. III/10-1978/758.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A gr. lands situated at village Jaitpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-10-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raja Ram s/o Shri Isher, alias Isher Singh r/o Village Molar Bandh, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
(2) (1) Shri Madan Lal Mittal self and as Natural guardian on behalf of Shri Denesh Kumar and Shri Ramesh Kumar.
(2) Shri Saneh Kumar s/o Madan Lal Mittal r/o 19/6 Kalkaji, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 35 bighas 2 biswas out of Khasra Nos. detailed below :—

Khasra No.	Area
662	4.4
663	
664	
665 to 667	(situated in village Jaitpur, Tehsil Mehrauli New Delhi as per details in the instrument of transfer.)
668/1	
660	
670	
671/1	
672/2	
673	
674	
675	
676	
677	
679 to 684 etc.	

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM I T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/756.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-2 Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbux Singh Pabla
Resident of K-9 South Extension Part-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Old Village Industries Ltd.,
16-A Naraina Industrial Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land No. M-2 measuring 195 Sq. yards situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979
Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kumari wife of Late
Shri Ram Narain Kataria and
(2) Shrimati Swaran Kanta wife of
Shri Balraj Katria
Residents of : A-20 Jangpura, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq-I/S.R. III/Oct. II(8)/1978-79/719.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office flat-102 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—146GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office flat No. 102 (1st floor) measuring 617.9 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-I, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22 Narindra Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAN ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/Oct. II(3)/1978-79/715.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Office Flat No. 304 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shri Kanwal Kishore Juneja,
son of Shri B. R. Juneja
Kamal Priya 30 Teg Bahadur Road,
Dehra Dun, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Office flat No. 304 (3rd floor) measuring 488.6 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. DLF United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati P. J. Nandy wife of Shri C. M. Nanda
C/82 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/Oct. I(38)1978-79/705.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Flat No. 302 situated at Third Floor, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 302 on Third Floor measuring 617.9 Sq ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D.I.F. United Limited,
2122- Narindia Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R. III/Oct. II(1)/1978-79/713.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Flat No. 406 situated at (4th Floor), Cinema Commercial Building, G. K.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Sushma Jerath wife of Maj. V. P. Jerath
Care of : Maj. V. P. Jerath,
Garrison Engineer Itaranagar Palace,
Alwar, Rajasthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An Office flat No. 406 (4th Floor) measuring 468.7 Sq. ft. situated at Cinema Commercial Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar Juneja son of
Shri B. R. Juneja, 'Kamal Priya' 30
Teg Bahadur Road, Dehradun (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R. III/Oct II(2)/1978-79/714.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Flat No. 306 situated at Savitri Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 306 (3rd floor) measuring 469 Sq. ft situated at Cinema Commercial Building Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R. III/Oct. II(4)/1978-79/716.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office flat No. 203 situated at Savitri Cinema Complex Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Arora
wife of Shri Amar Nath Arora,
11 Malviya Road, Dehradun, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An Office flat No. 203 (2nd floor) measuring 578.3 Sq. ft. Cinema Complex building, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Sudarshan Kumar Chadha
son of Shri B. N. Chadha
Resident of : 134-R Model Town, Sonepat.
(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh son of
Shri Avtar Singh,
Resident of : 8/25 West Patel Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/712.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-133 Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A plot of land No. C-133 measuring 313 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978-748.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-54 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Mrs. Daya Wati wife of Shri Sohan Lal
 (2) Janak Raj
 (3) Mohinder Lal
 (4) Vijay Kumar son of Shri Sohan Lal
 All Residents of : 7/21 Darya Ganj, Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Siakander Lal Pahwa son of Shri Sher Singh,
 (2) Shrimati Subash Pahwa wife of Shri Sher Singh
 Resident of : FD-34 Tagore Garden, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. E-54 measuring 556½ Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I
 Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq-I/S.R. III/10-1978/718.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-299 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—146GI/79

- (1) Shri Kaliath Parameswaran Nair son of Late Shri Parameswaran Pillai, Resident of F-299 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri R. D. Thapar son of Shri Hari Chand Thapar and (2) Shri Rajesh A. Thapar son of Shri R. D. Thapar (H.U.F.) Resident of E-299 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House property No. E-299 measuring 303 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under :

East : Road,
West : E-297
North : Road,
South : Service lane.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th June 1979

Ref. No. AP/79-80/NKD/562.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Village Uaggi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nakodar on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Sewa Devi Wd/o Jawala Sahai c/o Mukti-areen Jagdeshwar Sahai s/o Jawala Sahai village Uaggi Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdial Singh, Jagtar Singh, Kewal Singh, Amarjit Singh ss/o Dilbagh Singh village Uaggi Tch. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanal in village Uaggi as per sale deed No. 2650 January, 1979 registered with the S. R. Nakodar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1979,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, 18th June 1979

Ref. No. AP/79-80/NKD/563.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

As per schedule situated at Village Uaggi Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Surinder Sahai s/o Sh. Jawala Sahai village Uaggi Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdial Singh, Jagtar Singh, Amarjit Singh s/o Dilbagh Singh, village Uaggi Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals situated in village Uaggi as per sale deed No. 2649 January, 1979 with the S. R. Nakodar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 18.6.79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Surinder Singh S/o Sh. Karam Singh, Village :
Garhshanker Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Des Raj, Harbans Singh ss/o Jeewan Singh,
Railway Road, Garhshanker Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th June 1979

Ref. No. AP.564/79-80/GRM.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Garhshanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshander on Nov. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop on P.W.D. Road, at Garhshanker as per sale deed No. 2560 November, 1978 registered with S. R. Garhshanker.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 27.6.79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Nand Kumar s/o Sh. Lakshman Dass s/o Sh. Chaman Lal, Bhatinda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1978

Ref. No. AP565/79-80/B71.—Whereas, I, SUKHDEV, CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Major Atma Singh s/o Sh. Ishai Singh s/o Sh. Deva Singh village. Mahal Khurd, Teh. Barnala.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDELE

A plot measuring 453 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2, near Old Bus stop, Bhatinda as per sale deed No. 4256 of December, 1978 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28.6.79.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 28th June 1979

Ref. No. AP566/B71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Tirath Ram s/o Sh. Bhagat Ram, G.A. Shri Darshan Kumar, Sirkhi Bazar, Bhatinda.
(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Harbans Singh s/o Shri Bakshi Singh, C-353, Thermal Plant, Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot measuring 452 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2, Near Old Bus Stop, Bhatinda as per registration deed No. 4257 of Dec., 1978 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28.6.79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kishan Urf. Sh. Ram Dass s/o Sh. Chanan Ram S/o Sh. Shiv Dayal, Bhatinda.
(Transferor)

(2) Shri Naginder Singh s/o Sh. Ishar Singh s/o Sh. Deva Singh, Village Mahal Khurd, Teh. Barnala.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1979

Ref. No. AP567/B71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

A plot measuring 453 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2, near Old Bus Stand, Bhatinda as per sale deed No. 4258 of December, 1978 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28.6.79.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Bhagwan Dass s/o Sh. Kala Mal, Gali Afeem Wali, Bhatinda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1978

Ref. No. AP568/BII/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Major Atma Singh s/o Sh. Isher Singh, Kulwant Kaur w/o Sh. Nirmal Singh, Naginder Singh s/o Sh. Isher Singh Vill : Mahal Khurd Teh. Barnala.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot measuring 488 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2 near Old Bus Stand, Bhatinda as per sale deed No. 4270 of December, 78 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28.6.79.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTA/141/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanal 6 marlas (0.16-69 Hectors) situated at Village Tripari, Patiala, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
17—146GI/79

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal R/o Bibian Street, Patiala,

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur W/o Sh. Manjit Singh R/o Mohalla Bhaikian, Sunam City. Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 6 marlas situated at Village Tripari Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3694 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Road, Patiala.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th June 1979

Re. No. PTA/145/78-79.—Whereas, I, NATHURAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 kanal 8 marlas situated at Village Tripari, situated at Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Ujagar Singh s/o Sh Bhagwan Singh R/o Raghomajra, Patiala. Smt. Abnash Sethi w/o Sh J.P. Sethi, Dukhnawaran Road, Patiala Smt. Rajinder Kaur Bhalla W/o Sh. Manmohan Singh r/o Raghomajra Patiala and Smt. Sham Kaur W/o Shri Tia Singh, Raghomajra, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanal 8 marla situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3737 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1979.

Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTA/144/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khola measuring 164 sq. yds. situated at Jand Gali, near Chowk Purani Kotwali, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Patiala in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piyara Singh Grewal s/o Harnam Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Piyara Singh r/o Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Ashoka Finance & Chit Fund Company (Regd.), Fort Bazar, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khola measuring 164 sq. yds. situated at Jand Street, near Chowk Purani Kotwali, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3734 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTIA/149/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop property situated in Jand Gali, Fort Bazar, Patiala, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Piara Singh Grewal s/o Sh. Harnam Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Piara Singh r/o Patiala.
 (Transferor)

(2) M/s Ashoka & Company r/o Patiala.
 (Transferee)

(3) 1. M/s Ashoka & Company, r/o Patiala.
 2. Shri Kahan Chand r/o Ashoka & Co., Patiala.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop Property situated in Jand Gali, Fort Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3814 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala)

NATHU RAM,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mal Singh s/o Shri Gurbax Singh,
R/o Village Bopa Rai Kalan, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Har Kaur w/o Shri Sham Singh,
R/o S.C.F.No. 13-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s Naveen Books & General Store, S.C.F. No. 13-I,
Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. LDH/78/7878-79.—Whereas, I, G. P. SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-Cum-Flat No. 13, Sarabha Nagar, Ludhiana situated at
Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Ludhiana in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

S.C.F. No. 13, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
2636 of October, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely : .

Date : 15 June 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Miss. Vimla Narayan Herlekar,
R/o 186, Allanganj, Allahabad (UP).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,
SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 13th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/90/78-79.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 of Block 'E' of Field No. 78, Dharampeth, situated at Nagpur.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDEULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

M. V. R. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Shehnaz Darabshaw Gandhi
(Transferor)
- (2) Smt. Malti Goel
(Transferee)
- (3) Smt. Malti Goel
(Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Shehnaz Darabshaw Gandhi
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1979

Ref. No. M.104/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 29-A (Plot No. 31), Hastings Road situated at (Nyaya Marg), Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 7-7-1978/October, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29-A (Plot No. 31) situated at Hastings Road (Nyaya Marg), Allahabad—lease-hold—which is mentioned in Form 37G No. 4337 dated 7-7-78, Form 37H for the period 1-10-78 to 15-10-78 at Sl. No. 1 dated 15-10-78 and in the sale deed which are duly registered in the office of the Sub Registrar, Allahabad on 7-7-78/Oct. 1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Panna Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhika Devi

(Transferee)

(3) Shri Panna Lal

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 9th April 1979

Ref. No. R-131/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 178-A situated at Nakhas Kona, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 9-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 178-A situated at Mohalla Nakhas Kona, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4444 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Radha Devi Santhalia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRI MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1979

Ref. No. 76-A/Acq --Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/68 situated at Maldahiya, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—146GI/79

(2) Sh. Ashok Kumar Jaiswal

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with land area 3157-7 Sqr. mtrs. situated at Maldahiya Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 19221 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi on 25-10-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Fazlur Rahman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRATH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 8th May 1979

Ref. No. 5-174, Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/33 situated at Purana Qila, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

From portion house No. 8/33 situate at Purana Qila, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 4794 and sale-deed duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Lucknow on 13-10-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-5-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st June 1979

Ref. No. 801-A/Mrt/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Meerut on 17-10-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Sharda Sharma
w/o Sri Ramakant Sharma
1/o Shivasarovar colony, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Sangita Dua
w/o Dr. Jagannath Dua
t/o 64 Begam Bridge Lawyer wali Gali,
Jawahar Quarters, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 26 Shiv Sarovar Colony, Meerut sold
for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair
market value of which has been determined at Rs. 120,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 4th June 1979

Ref. No. TR 644/Acq./Etawah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Idhan Das
s/o Shri Hasomal
Shri Pamman Lal
s/o Shri Bighamal
Shri Mohal Lal
s/o Shri Idhan Das
Shri Bhag Chand
s/o Shri Bighamal
Smt. Laxmi Devi
w/o Shri Bighamal
r/o Kasba Bharthana Sindh colony
Pargana Bharthana Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Basudeo Sharda
s/o Mohan Lal Sharda
r/o Maksudpura, City Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Mohalla Katra Shamsher Khan Shahar Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 158,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Km. Mewa
d/o Kokhi
w/o Shri Sunder Singh Sharma
r/o village Alipur
Tah. Firozabad. Dist. Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th June 1979

Ref. No. 561/Acq./F.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 24-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Mansur Khan
s/o Shri Ramjas Khan
Smt. Surbati Devi
w/o Shri Netrapal Singh
r/o village Alipur, Firozabad.
S/Shri Narsinghpal, Surajpal
s/o Shri Kokaram
r/o village Hardaspur Kotala
Tah. Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 6 Bigha 12 Biswansi situated at Matija Alipur Tah. Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th June 1979

Ref. No. 863/Acq./Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 18-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Sardar Tirath Singh Chadha
s/o Sardar Charan Singh
r/o Nagar Kant Colony Idgah, Agra.

(Transferor)

(2) Sardar Ravindra Singh
s/o Sardar Sardul Singh
r/o 24 Khan Road, Poona,
Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 39/32A Nagar Kant colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxmi Narain
s/o Shri Sukhdoyal
r/o III E 84 Nehrunagar, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal Chanana
s/o Shri Gurandivaya Mal Chanana.
Girish Chanana Guridian Sohan Lal Chanana
r/o 117 Turavnagar, Gaziabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th June 1979

Ref. No. Acq./820-A/G.bsd/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Gaziabad on 5-10-79
for an apparent Consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and /
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. III-F/84 Nehrunagar, Gaziabad sold
for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market
value of which has been determined at Rs. 92,032/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Date : 5-6-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/893-A/Hardwar/78-79
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hardwar on 23-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Bhola Nath,
s/o Shri Kishan Chandra,
r/o Shrawannath Nagar, Parg. Jwalaipur,
Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur. (Hardwar).
(Transferor)

(2) Sardar Manmohan Singh,
s/o S. Surjan Singh,
r/o Gaughat, Part. Jwalaipur,
Teh. Roorkie, Hardwar, Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Three storied house property having total area of 1632 sq. ft. situated at Shrawan Nath Nagar (Near Lalita Rau) Mayapur, Haridwar, Parg. Jwalaipur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of 97,000/- the fair market value of which exceeds more than 15%.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-6-79

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/892-A/Hardwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 19-10-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—146GI/79

(1) Sh. Mumuksh Mandal Bhopatwala Kalan (Hardwar), Parg. Jwalapur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur, through Shri Khuhi Ram, Up-Pradhan of the said Mandal, r/o Mohalla Ram Jiwan Mai Bazar, Chilkam Road, Saharanpur

(Transferor)

(2) Shree Sanatan Dharam Sabha Khanna Nagar (Aliganj), Lodhi Road, New Delhi, through Shri Data Ram, Pradhan of the said Sabha, r/o Sanatandharam Sabha, Khanna Nagar (Aliganj), Lodhi Road, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 2000 sq. ft. bearing Kharsa No. 193, situated at Vill. Bhopatwala Kalan, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 85,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-6-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sudha Agarwal,
w/o Shri K. K. Agarwal,
r/o 51/35, Nayaganj, Kanpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri 1. Raj Kumar Garg &
2. Pushkar Lal Agarwal,
ss/o Shri Girdhari Lal,
r/o 21/1, Chatai Mohal, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/888-A/KNP/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 27-10-1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property constructed at Plot No., Anandpuri, Kanpur,
having land area of 1829.53 sq. ft., sold for an apparent
consideration of Rs. 1.40,000/-, fair market value of which
is more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-6-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 6th June 1979

Ref. No. Asr/78-80/66.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot No. 18 min situated at Gali No. 1, Dayanand Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 27 Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Kumar
s/o Shri Ghansham Das,
r/o Amritsar Lawrence Road,
Dayanand Nagar Now Kothi No. 751,
Rohtak, Haryana.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Vati
w/o Shri Sain Dass
r/o Amritsar, Lawrence Road,
Dayanand Nagar Kothi No. 202,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 18 min khasra No. 2291, 2293, 2294 situated at Gali No. 1 Daya nand Nagar, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2745 of 27-10-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1979

Ref. No. Asr/79-80/67.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 40, Court Rd. situated at Thakur Maha Singh Rd. Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City on 27 October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Nathu Handa
s/o Shri Radha Kishan Handa
R/o Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh
s/o Shri Subedar Gurbax Singh,
40 Thakur Maha Singh Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 40 situated at Court Rd. Thakur Maha Singh Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2717/1 dated 27-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-6-1979

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1979

Ref. No. Asr./79-80/68.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1160/X-5 situated at Gali Gujran, Dhab Khatikan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 27 October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Madan Mohan Khanna,
Ram Gopal Khanna, Brij Mohan Khanna,
S/o Shri Gurbax Rai Khanna,
Gali Gujran, Dhab Khatikan,
and Vinay Kumari
D/o Shri Gurbax Rai Khanna,
W/o Shri D. K. Kapur,
Pali Hill Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Rani Handa
W/o Shri Joginder Kumar Handa
R/o House No. 1160, Gali Gujran,
Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1160 measuring 129 sq. mts, situated at Gali Gujran, Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2588 dated 27-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 7-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th June 1979

Ref. No. Asr./79-80/69.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 42Min/79 and situated at Krishna Square Amritsar, Sir Gopal Dass Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 24 October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Wati
Wd/o Shri Bhagwan Dass,
R/o Abadi Krishna Square,
Sir Gopal Dass Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur
Wd/o Shri Avtar Singh, Advocate
R/o Amritsar Hussain Pura,
at present Sir Gopal Dass Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 42 min/79 now situated at Krishna Square, Amritsar, Sir Gopal Dass Road, as mentioned in the Regd. Deed No. 2665 dated 24-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 7-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hansraj Sukhija
s/o Shri Jhandaram Sukhija
R/o Q. No. 150-A Gurunanak Pura
Rajapark Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Vishvanath Goyanka
s/o Shri Ramdutt Goyanka
r/o Simoo Staff colony, Bharatpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 8th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/553.—Whereas, I M. R.
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-56 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land bearing No. A-56 situated at Tilak Nagar Jaipur and more fully described in conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2364 dated 18-10-78.

M. R. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 15th June 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)455.—Whereas, I,
M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Plot No. B-123-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely :—

(1) Shrimati Pann Kumari Baird
 w/o Shri Mangal Chand
 through Attorney Sh. Guzmanmal,
 r/o Tiwari Building M.L. Road, Jaipur.
 (Transferor)

(2) S/Shri Nathpalal & Bhawani Shanker
 r/o House No. 1931 Nahargarh Road,
 Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western part of plot No. B-123-B Mangal Marg Bapu Nagar, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2446 dt. 27-10-1978.

M. R. AGGARWAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Date 15-6-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ishwarlal
s/o Shri Hariji Mali
R/o Beawar Distt. Ajmer (Rajasthan)
(Transferor)

(2) 1. Shri Rajendra Pd.
s/o Shri Durga Prasad Mangal
2. Shri Shree Ram, 3. Shri Bastiram,
4. Sh. M. Shaikl and 5. Sh. Sohanlal
s/o Sh. Ram Gopal,
Khawat Beawar, Distt. Ajmer
(Rajasthan).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/554.—Whereas, I,
M. R. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agri. land situated at Benwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Beawar on 13-10-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 4 bighas and 2 bishwas situated
at Chilawali, Nayanager, Beawar and much more fully de-
scribed in the sale deed registered by D.R. Ajmer vide regis-
tration No. 1 dated 13-10-1978.

M. R. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

20--146GI/79

Date : 13-6-1979

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Ouseph Mathai
(For E. Emmanuel)
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty
Panakkal Hospital,
Keezthadiyoor, Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. L.C. 298/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

23.30 Cents of land with buildings in Sy. No 17/1/2 and 16/17A/3 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ouseph Muhai
(For E. Emmanuel)
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Josekutty
Panakkal Hospital,
Keczhthadiyoor, Palai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin 682 016, the 13th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. L.C. 299/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 18-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

23 cents of land with buildings in Sy. No. 17/1/2 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 13-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ouseph Matbai
(For E. Emmanuel)
Chinkulal, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty
Panakkul Hospital,
Keczhithadiyoor, Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. 300/79-80.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 24-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

35 Cents of land in Sy. Nos. 17/2/3 and 17/1/2 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) 1. V. N. Narayana Swamy
 2. M/s. Lakshmi Estates
 (by V. N. Narayana Swami)
 Palghat.

(Transferor)

(2) M/s. C. P. Adam (By C. P. Adam)
 Timber Merchants, Calicut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
 ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L. C. 302/79-80.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,
 Sy. No. as per schedule situated at Palghat
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kollenkode on 7-10-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

160 acres of Coffee estate at Muthalamada, Palghat.

K. NARAYANA MENON
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Qamar Jehan Rokiya Begum,
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Injar (India) Ltd.,
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 4-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hoshenc Jehan Ajmeri Begum,
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Injar (India) Ltd.,
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23A situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 5-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 17-4-1979

Seal :

FORM ITNS(1) Smt. Anwar Jehan Soraiya Begum,
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Injar (India) Ltd.,
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Ref. No. Ac-3/R-II/C/I/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 21st April 1979

Ref. No. 467/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30A, situated at Kalighat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Brojendra Nath Gupta, Sm. Chitra Gupta, Sri Atindra Nath Gupta, Sm. Subhra Gupta, Sri Sisir Kr. Gupta, Sri Samar Kr. Gupta, Sri Sankar Kr. Gupta, Sri Sachindra Gupta, & Sri Suhrit Kr. Sen.
(Transferor)

(2) Shri Soumendra Nath Sen,
128B, Harish Mukherjee Road,
Calcutta.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of a two storied building containing an area of six cottahs of land situated at 30A, Kalighat Road, Calcutta as per deed No. 1-4841 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—146GI/79

Date : 21-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Rampuria Brothers (P) Ltd.,
148, Cotton Street, Calcutta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 27th April 1979

Ref. No. 468/Acq.R-III/79-80/Cat.—Whereas, I VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Woodburn Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Malayalay Apartments (P) Ltd.,
3, Woodburn Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land admeasuring 18 cottahs 1 chittack 35 sq. ft. together with building thereon situated at premises No. 3, Woodburn Road, Calcutta.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1979,
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunity Bala Das,
33/3/D, Chetla Central Road, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1979

Ref. No.Ac-4/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

400/365, situated at Pashupati Bhattacharyay Road, Calcutta-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at District Registrar, 24-Parganas, Alipore on 4-10-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely :—

(2) Smt. Krishna Bandopadhyay,
9/B, Sadananda Road, Calcutta-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 10-chittaks & 5-sq. ft. being holding No. 400/365, Pashupati Bhattacharyay Road, Calcutta-34, in Mouza Mamudpur, P.S. Behala.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 7-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th May 1979

Ref. No. AC-16/Acq.R-IV/Cul/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 142, situated at Mouza Raghunathpur, P.S. Rajarhat, Dist : 24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore on 18-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Sri Baroda Prosad Naskar, 2. Kalipada Naskar, 3. Krishna Ch. Naskar, 4. Ramkanta Naskar & 5. Manik Chandra Naskar.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Kanodia & Sri Anup Kanodia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 6 cottahs & 14 chittaks situated at Mouza Raghunathpur, P.S. Rajarhat, District : 24-Parganas being kh. No. 142, Dag no. 210, 210/832, 211, J.L. No. 8 more particularly as per deed no. 6034 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Date : 8-5-1979.

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Debi Prosad Ghosh, 57B, Garcha Road,
P.S. Ballygunj, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II

The 11th May 1979

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal./79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/26 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Purganas on 3-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11-cottahs, 6-chittaks & 38-sq.. ft. with temporary structures being premises No. 27/26, Diamond Harbour Road, Calcutta-34.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 11-5-1979.
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lall Sarkar,
3/C, Bhupen Roy Road, Calcutta-34.
(Transferor)

(2) Sk. Moin Akhtar,
8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.
(Transferee)

(3) Shri/Smt/Kumari (1) Unni Krishnan, (2) Radha Krishnan, (3) B. L. Das, (4) M. K. Venu Gopal, (5) N. K. A. Khan Ahmed, (6) E. G. P. Nair, (7) T. V. Damodaran, All of 8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II**

Calcutta, the 11th May 1979

No. Ac-6/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/B, situated at Mominpore Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 7-19-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land measuring three & half cottahs with two-storeyed brick built building being premises No. 8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 11-5-1979.

Seal :

FORM ITNS(1) **Algemene Bank Nederland N.V.,
18A, Brabourne Road, Calcutta.**

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) **M/s. J. Thomas & Co. (P) Ltd.,
11, R.N. Mukherjee Rd., Calcutta**

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II**

Calcutta, the 14th May 1979

No. Ac-7/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8/6/1 situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 32, premises No 8/6/1, Alipore Road, Calcutta with garage & servant's quarters.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Amalesh Chowley of Jalalpore,
P.S. Falta, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukunda Mohan Banerjee,
34A, Joynuddin Mistiri Lane, Calcutta-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA
Calcutta the, 15th May 1979

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mouza Paschim Barisha, P.S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar of Alipore at Behala on 6-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring .04 decimal with building at Mouza Paschim Barisha, P.S. Behala,

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 15-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. No. AC-17/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Touji No. 146, situated at P.S. Barasat, District 24-Parganas
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barasat on 3-10-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 22—146GI/79

(1) 1. Shri Nandalal Shrimani, 2. Shri Jagannath Shrimani, 3. Shri Shyam Sundar Shrimani, 4. Shri Nilratan Shrimani.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kedar Nath Singh, 2. Shri Kashi Nath Singh, 3. Shri Sital Prosad Singh, 4. Smt. Payari Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.55 acres situated at Touji No. 146, Mouza Barbaria, P.S. Barasat, District : 24-Parganas more particularly as per deed no. 2567 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Razi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 18-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri 1. Nandalal Shrimani, 2. Jagannath Shrimani,
3. Shyam Sundar Shrimani & 4. Nilratan Shrimani.
(Transferors)

(2) S/Shri 1. Kedar Nath Singh, 2. Kashi Nath Singh,
3. Sital Prosad Singh, 4. Smt. Payari Singh.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. AC-18/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touji No. 146, situated at P.S. Barasat, District 24-Parganas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barasat on 3-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

All that piece and parcel of land measuring 3.52 acres situated at P.S. Barasat, District : 24-Parganas, Mouza Barbaria, Touji No. 146, more particularly as per deed no. 5774 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-5-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Probhak Kumar Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dayamoy Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. No. AC-19/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-175 situated at Block 'C', Bangur Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 8 chittaks 3 sft. together with a building thereon situated at P-175, Block 'C', Bangur Avenue, Calcutta, more particularly as per deed No. 4792 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 18-5-1979.

Seal :

FORM ITN8

(1) Shri Baidyanath Bhattacherjee

(Transferor)

(1) Shri Amarnath Bhattacharjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. AC-20/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94, Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9592 of the year 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

(2) Sri Biswanath Bhattacharjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-21/Acq.R-IV, Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 17, situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9593 of 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 22-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-22/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Baidynath Bhattacharjee (Transferor)
(2) Smt. Sujata Bhattacharjee (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P. S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9594 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 22-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Samar Nath Bhattacharjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-23/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4246 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700016

Date : 22-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

(2) Smt. Chaya Bhattacharjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-24/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 17, situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Maumohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobind Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4247 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Prem Kumar Bhatia
2. Omprakash Bhatia
3. Sri Pratyush Bhatia

(Transferor)

- (2) Smt. Premlata Chopra

(Transferor)

- (3) New Eastern Motor Garage

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. Sl. 496/TR-448/C-404/Cal 1/78-79.—Whereas I, L. V. S. Juneja, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Meridith St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—146GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 4 Cottahs 12 chittacks 7 sft. being premises No. 3, Meridith St., Calcutta registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. -I- 4857 dated 6-10-1978.

L. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Calcutta

Date: 22-5-1979

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Baidyanath Bhattacharjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bijali Bhattacharjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P. S. Kotowali, District Nadia, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Govinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4248 of 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following

Date : 22-5-1979.
 Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s. Anamika Builders (P) Ltd.,
20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16
Calcutta-16, the 22nd May 1979

Ref. No. 474/Ac. R-III/79-80 /Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flot No. 3B on third floor situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Calcutta on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17-126GT/79

(2) Shri Paranjit Singh Grewal and Amarjit Singh Grewal, 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat being No. 3B on the 3rd floor situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 25-5-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX****OFFICE OF THE IAC/ACQ/R/IV-CALCUTTA**

Calcutta, the 5th June 1979

Ref. No. AC-27/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 situated at Rashbehari Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn at Calcutta on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
 (1) 1. Amala Charan Mookherjee
 2. Nilkanto Mookerjee
 3. Sreekanta Mookerjee
 4. Sm. Parul Bala Mookerjee
 5. Tulsidas Mookerjee
 6. Pradip Kr. Mookerjee
 7. Durgadas Mookerjee
 8. Debdas Mookerjee
 9. Dwiju Das Mookerjee
 10. Haridas Mookerjee
 11. Akshoy Mookerjee
 12. Mili Mookerjee
 13. Sm. Roma Rani Mookerjee
 14. Purnima Mookerjee
 15. Sm. Jyotsna Mookerjee
 16. Smt. Ayesha Banerjee
 17. Sm. Chinmoyee Debi
 18. Sri Prosanta Kr. Mookerjee
 19. Jharna Law
 20. Smt. Kalpana Chatterjee
 21. Digamber Banerjee
 22. Pratip Banerjee

(Transferors)

(2) M/s. D. N. Construction & Investment (Pvt.) Ltd.
(Transferee)

(4) Some portion in occupation of Shri Nimai Bera.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that of undivided half share of the piece and parcel of land measuring 8 cottahs 14 chittaks together with buildings situated at 34, Rashbehari Avenue, Calcutta, more particularly as per deed No. 1007 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 5-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE IACQ/R/IV-CALCUTTA

Calcutta, the 5th June 1979

Ref. No. AC-28/Acq.R-IV/C al/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 34, situated at Rashbehari Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
 (1) 1. Amala Charan Mookherjee
 2. Nilkanto Mookerjee
 3. Steekanta Mookerjee
 4. Sm. Parul Bala Mookerjee
 5. Tulsidas Mookerjee
 6. Pradip Kr. Mookerjee
 7. Durgadas Mookerjee
 8. Debadas Mookerjee
 9. Dwija Das Mookerjee
 10. Haridas Mookerjee
 11. Akshoy Mookerjee
 12. Mili Mookerjee
 13. Sm. Roma Rani Mookerjee
 14. Puranam Mookerjee
 15. Sm. Jyotsna Mookerjee
 16. Smt. Ayesha Banerjee
 17. Sm. Chinmoyee Debi
 18. Smt. Prosanta Kr. Mookerjee
 19. Jharna Law
 20. Smt. Kalpana Chatterjee
 21. Digamber Banerjee
 22. Pratip Banerjee

(Transferees)

- (2) Shri Nripendra Krishna Roy and Smt. Pratima Roy.

(Transferee)

- (3) Some portions in occupation of Shri Nimai Bera.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that of undivided half share of the piece and parcel of land measuring 8 cottahs 14 chittaks together with building thereon at 34, Rashbehari Avenue, Calcutta more particularly as per deed No. 1006 of 1978.

S. K. DASGUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range IV
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 700016.

Date : 5-6-1979.

Seal :

